लखनऊ । वाराणसी । नई दिल्ली

04 नवम्बर 2026 बुधवार
वर्ष : 20 अंक: 122
पृष्ठ : 8
वाराणसी
काशी संस्करण
मूल्य: 2.00 रूपए

लोक हस्तक्षेप

Power Of Truth

हिन्दी दैनिक



www.facebook.com/lokhastakshep www.twitter.com/lokhastakshep /Lokhastakshep /Lokhastakshep

www.lokhastakshep.com

आस्था भारत की सबसे बड़ी ताकत, इसी से एकता के सूत्र में बंधा है देश : योगी

पीलीभीत में ब्रह्मलीन महंत योगी शांतिनाथ की पुण्य स्मृति में आयोजित श्रीराम कथा महोत्सव का आयोजन



लखनऊ,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अयोध्या में प्रज्ज्वलित होने वाला एक–एक दीप पूरे उत्तर प्रदेश की समृद्धि और विकास का कारण बनता है। दीपोत्सव में जलने वाले दीप केवल भगवान श्रीराम के आगमन की स्मृति को जीवंत नहीं करते, बल्कि प्रदेश की प्रगति, खुशहाली और उज्ज्वल भविष्य का भी प्रतीक हैं। आस्था भारत की सबसे बड़ी ताकत है। आस्था ने विविधताओं से भरे देश को एकता के सूत्र में बांध रखा है। मुख्यमंत्री मंगलवार को जनपद पीलीभीत के निरानपुर गांव में ब्रह्मलीन महंत योगी शांतिनाथ की पुण्य स्मृति में आयोजित श्रीराम कथा महोत्सव को संबोधित कर रहे थे। इससे पूर्व, मुख्यमंत्री ने परिसर में स्थित शिव मंदिर में पूजा अर्चना की, विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण किया। दुनिया में करीब 200 देश हैं। सबकी अपनी विशेषताएं, पहचान, चुनौतियां और उपलब्धियां हैं। कहीं हजारों की आबादी है तो कहीं लाखों और करोड़ों में जनसंख्या है। 50 करोड़ से अधिक आबादी वाले देशों में भारत और चीन शामिल हैं। यूरोप एक दिखाई देता है, लेकिन वहां भी अलग–अलग राजनीतिक इकाइयों वाले अनेक देश हैं। इसके विपरीत भारत में उत्तर से दक्षिण और पूरब से पश्चिम तक रूप–रंग, बोली और भाषा की विविधता होने के बावजूद पूरा देश एक भाव और एक भंगिमा के साथ एकता के सूत्र में बंधा है। इस एकता के पीछे हमारी आस्था है। यही आस्था आज इतनी बड़ी संख्या में लोगों को श्रीराम कथा के आयोजन में एकत्र कर रही है और यही भारत की सबसे बड़ी शक्ति है। श्रीमद्भागवत महापुराण की कथा का वाचन पांच हजार वर्ष पूर्व शुकतीर्थ में हुआ था।

इतने लंबे समय बाद भी देश और दुनिया में जहां कहीं सनातन धर्मावलंबी रहते हैं, वहां उसी श्रद्धा और पवित्र भाव से हजारों–लाखों लोग कथा श्रवण के लिए जुटते हैं। श्रीराम कथा के आयोजन के पीछे भी हजारों वर्षों की परंपरा है। शारदीय नवरात्र के बाद गांव–गांव में रामलीलाओं का आयोजन होता है।

पुरानी सरकार होती तो दशकों करना पड़ता इंतजार : मोदी



एजेंसी, पुणे । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पुणे मेट्रो की बहुप्रतीक्षित लाइन–3 का उद्घाटन किया। मान–हिंजवडी से शिवाजीनगर तक जाने वाला यह 23.203 किलोमीटर लंबा कॉरिडोर पुणे के आईटी हब, व्यावसायिक केंद्रों और प्रशासनिक क्षेत्रों को बेहतर कनेक्टिविटी देगा। यात्रियों के लिए मेट्रो सेवाएं चार नवंबर की सुबह छह बजे से शुरू होंगी। इस नई सुविधा से खासकर हिंजवडी क्षेत्र में ट्रैफिक जाम कम होने की उम्मीद है। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अगर पुरानी सरकार और पुरानी कार्यसंस्कृति बनी रहती, तो पुणे तक मेट्रो पहुंचने में कई दशक और लग जाते। उन्होंने इसे सुशासन और लोगों की सुविधाओं को प्राथमिकता देने वाली सरकार के कामकाज का उदाहरण बताया। प्रधानमंत्री ने कहा कि 2014 में केंद्र में एनडीए सरकार बनने के बाद शहरों में रहने वाले मध्यम वर्ग की ईज ऑफ लिविंग और ईज ऑफ ट्रांसपोर्टेशन को प्राथमिकता दी गई। उनके मुताबिक, किसी शहर की तरक्की केवल आर्थिक गतिविधियों से नहीं, बल्कि वहां रहने वाले लोगों को मिलने वाली सुविधाओं से भी तय होती है। मोदी ने बताया कि देश में पहली मेट्रो सेवा 1984 में शुरू हुई थी। इसके बाद 30 वर्षों में केवल 248 किलोमीटर मेट्रो नेटवर्क तैयार हो पाया। वर्ष 2014 तक सिर्फ पांच शहरों में मेट्रो चलती थी। उन्होंने दावा किया कि पिछले 12 वर्षों में मेट्रो नेटवर्क बढ़कर करीब 1,400 किलोमीटर हो गया है और अब 26 शहरों में मेट्रो सेवाएं उपलब्ध हैं। रोजाना एक करोड़ से अधिक यात्री मेट्रो से सफर कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि पुणे शिक्षा, आईटी, ऑटोमोबाइल, फार्मा, स्टार्टअप और मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में देश के प्रमुख केंद्रों में शामिल है। हिंजवडी में राजीव गांधी इन्फोटेक पार्क होने के कारण यहां बड़ी संख्या में कर्मचारी रोजाना आवाजाही करते हैं।

दो युवकों की हत्या के विरोध में कांगपोकपी में बंद, आम जनजीवन प्रभावित

एजेंसी, इंफाल। मणिपुर के सेनापति जिले में दो कुकी–जो युवकों के क्षत–विक्षत शव मिलने के मामले में राज्य सरकार की कथित निष्क्रियता के विरोध में एक आदिवासी संगठन द्वारा कांगपोकपी में बंद का आह्वान



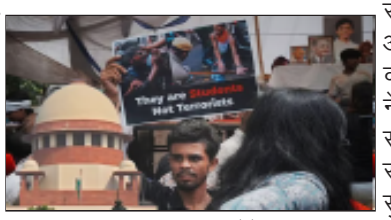
किए जाने के बाद से मंगलवार को भी बाजार और व्यावसायिक प्रतिष्ठान बंद रहे, जिससे जनजीवन प्रभावित हुआ। पुलिस ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग से इंफाल की ओर जा रहे कई मालवाहक वाहन कांगपोकपी में प्रवेश नहीं कर सके और वह पड़ोसी सेनापति जिले में ही फंसे रहे। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए जिले में अतिरिक्त सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है। आदिवासी एकता समिति (सीओटीयू) ने दो कुकी नागरिकों की हत्या के मामले में राज्य सरकार की कथित निष्क्रियता के विरोध में बंद का आह्वान किया था। कुछ दिन पहले लापता हुए दोनों युवकों के क्षत–विक्षत शव रविवार सुबह सेनापति जिले के पहाड़ी इलाके में मिले थे। शव बरामद होने के बाद सीओटीयू ने रविवार से कांगपोकपी में 24 घंटे के बंद का आह्वान किया था। संगठन ने सोमवार रात इसे 48 घंटे के लिए और बढ़ा दिया। कुकी संगठन ने कहा कि दो निर्दोष कुकी–जो नागरिकों की नृशंस और अमानवीय हत्या के मामले में न्याय दिलाने के लिए ठोस कार्रवाई शुरू करने में सरकार की शर्मनाक अनिर्णय की स्थिति, अस्वीकार्य चुप्पी और लगातार विफलता के विरोध में बंद की अवधि बढ़ाई गई है।

अकोइजम की अग्रिम जमानत याचिका पर अदालत सख्त

एजेंसी, नयी दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने यौन उत्पीड़न के एक मामले में कांग्रेस सांसद एवं जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के बर्खास्त प्रोफेसर अंगोमचा बिमोल अकोइजम की अग्रिम जमानत याचिका पर मंगलवार को दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया। विशेष न्यायाधीश दिग्विनय सिंह ने दिल्ली पुलिस से जवाब मांगा और कहा कि सुनवाई की अगली तारीख पांच नवंबर तक अकोइजम के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी। अदालत ने जांच अधिकारी को भी अगली सुनवाई पर केस फाइल लेकर पेश होने का निर्देश दिया। न्यायाधीश ने कहा कि इनर मणिपुर के सांसद की याचिका पर उसी तारीख को विचार किया जाएगा। जेएनयू ने यौन उत्पीड़न के आरोपों को लेकर अक्टूबर में प्रोफेसर अकोइजम को बर्खास्त कर दिया था।

प्रदर्शन के नाम पर अनिश्चितकाल तक किसी जगह पर कब्जा नहीं कर सकते : सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी, नयी दिल्ली । सेंट्रल दिल्ली में विरोध–प्रदर्शनों और कारोबार पर पड़ रहे असर को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने अहम टिप्पणी की है। अदालत ने साफ कहा कि प्रदर्शन के नाम पर किसी सार्वजनिक जगह पर अनिश्चितकाल तक कब्जा नहीं किया जा सकता। सभी नागरिकों को विरोध–प्रदर्शन का अधिकार है, लेकिन इसके साथ दूसरे लोगों के अधिकारों और आजीविका का भी ध्यान रखना होगा। मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत की पीठ ने कहा कि प्रदर्शन के लिए निर्धारित स्थान और समय–सीमा का पालन जरूरी है। सुनवाई के दौरान सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि कोई भी व्यक्ति या समूह किसी जगह पर हमेशा के लिए कब्जा नहीं कर सकता। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि एक समूह लगातार किसी स्थान पर बैठा रहेगा तो दूसरे प्रदर्शनकारी कहां जाएंगे? किसान और वकील भी अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन करना चाहते हैं। पीठ ने कहा कि विरोध–प्रदर्शन के लिए निर्धारित जगहें एक निश्चित अवधि के लिए होनी चाहिए और सभी को नियमों का पालन करना चाहिए। प्रदर्शन के अधिकार के साथ सार्वजनिक व्यवस्था और आम नागरिकों की सुविधाओं का संतुलन बनाए रखना जरूरी है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया कि 20 जुलाई को प्रदर्शन की अनुमति केवल एक दिन के लिए दी गई थी, लेकिन प्रदर्शनकारियों ने जगह खाली नहीं की। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदर्शनकारी संसद तक मार्च करने लगे थे। मेहता ने कहा कि संसद केवल राजनीतिक इमारत नहीं है और प्रदर्शनकारियों को संसद या सुप्रीम कोर्ट तक मार्च करने की अनुमति नहीं दी जा सकती।



उन्होंने यह भी कहा कि बिना अनुमति प्रदर्शन आयोजित करके आम लोगों की आजीविका प्रभावित करना उचित नहीं है। दिल्ली की किराना कमेटी की याचिका पर सुनवाई के दौरान व्यापारियों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी पेश हुए।

दिलजीत दोसांझ के इंदौर कॉन्सर्ट को बम से उड़ाने की धमकी अमिताभ बच्चन का 'जलसा' भी निशाने पर होने का दावा

एजेंसी, नयी दिल्ली । पंजाबी गायक और अभिनेता दिलजीत दोसांझ के इंदौर में होने वाले कॉन्सर्ट से पहले सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता पैदा हो गई है। 15 नवंबर को प्रस्तावित इस कार्यक्रम को बम धमाके से निशाना बनाने की धमकी मिली है। कथित तौर पर आतंकी संगठन के नाम से भेजे गए ई–मेल में इंदौर महापौर कार्यालय और बॉलीवुड अभिनेता अमिताभ बच्चन के मुंबई स्थित बंगले 'जलसा' को भी निशाना बनाने की चेतावनी दी गई है। धमकी मिलने के बाद पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। जानकारी के मुताबिक, इंदौर महापौर कार्यालय समेत कई लोगों को धमकी भरे ई–मेल मिले हैं। ये मेल कथित तौर पर 'खालिस्तानी नेशनल आर्मी' के नाम से भेजे गए हैं।



इनमें भेजने वालों ने कुछ व्यक्तियों और संगठनों के नाम का इस्तेमाल करते हुए अलग–अलग स्थानों पर विस्फोट करने की चेतावनी दी है। हालांकि, ई–मेल में किए गए संगठन और संबंधित व्यक्तियों के दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि धमकी के पीछे कौन है और ई–मेल कहां से भेजे गए हैं। मामले में एक और चिंताजनक पहलू सामने आया है। इंदौर के तीन स्कूलों को सोमवार सुबह धमकी भरे ई–मेल मिले। इनमें अभिभावकों को चेतावनी दी गई कि वे 15 नवंबर को दिलजीत दोसांझ के कॉन्सर्ट में अपने बच्चों को न भेजें, क्योंकि कार्यक्रम के दौरान बम धमाके किए जा सकते हैं।

घरेलू विवाद में पति ने पत्नी को मारी गोली, मौत

शाहजहांपुर,संवाददाता। थाना निगोही क्षेत्र के त्रिलोकपुरी गांव में मंगलवार दोपहर घरेलू विवाद के चलते पति ने पत्नी की गोली मारकर हत्या कर दी। वारदात के बाद गांव में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी पति शिवम को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। मृतका की पहचान 22 वर्षीय रेश्मा के रूप में हुई है। उसका मायका निगोही क्षेत्र के चौड़ेरा गांव में है। रेश्मा की शादी करीब तीन साल पहले त्रिलोकपुरी निवासी शिवम से हुई थी। बताया जा रहा है कि दंपती के बीच काफी समय से घरेलू विवाद चल रहा था। मंगलवार सुबह ही रेश्मा मायके से ससुराल आई थी। दोपहर करीब एक बजे घर के अंदर पति–पत्नी के बीच फिर विवाद हो गया। गोली लगने से रेश्मा की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग घर के बाहर जुट गए और मायके पक्ष को सूचना दी।

अदालत ने अमानतुल्लाह खान के मामले में फैसले की घोषणा स्थगित की



एजेंसी, नयी दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने आम आदमी पार्टी (आप) के नेता अमानतुल्लाह खान के खिलाफ दिल्ली वक्फ बोर्ड में कर्मचारियों की भर्ती और संपत्तियों को पट्टे पर देने में कथित अनियमितताओं से जुड़े केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के मामले में अपना फैसला मंगलवार को 28 नवंबर तक के लिए टाल दिया। विशेष न्यायाधीश दिग विनय सिंह ने फैसले की घोषणा टाल दी। मामले में अंतिम दलीलें 17 अक्टूबर को पूरी हुई थीं। सीबीआई ने इस मामले में खान, दिल्ली वक्फ बोर्ड के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) महबूब आलम और 11 अन्य लोगों को आरोपी बनाया है। खान पर दिल्ली वक्फ बोर्ड का अध्यक्ष रहने के दौरान पद का दुरुपयोग करने और अपने करीबी लोगों तथा रिश्तेदारों की कथित तौर पर अवैध रूप से नियुक्ति करने का आरोप है।



लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ अभियान : लखनऊकी ऐतिहासिक पदयात्रा में उन्नाव से उमड़ा जनसैलाब - जिलाध्यक्ष व विधायकों के नेतृत्व में हजारों कार्यकर्ता हुए रवाना

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

उन्नाव। भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व के आह्वान पर लखनऊ में आयोजित श्लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओश अवध क्षेत्र की विशाल पदयात्रा में शामिल होने के लिए उन्नाव जनपद से कार्यकर्ताओं और आम जनता का एक ऐतिहासिक हुजूम रवाना हुआ। मंगलवार सुबह से ही जनपद के कोने–कोने से पार्टी कार्यकर्ताओं और आम जनता का भाजपा जिला कार्यालय, उन्नाव पर जुटना शुरू हो गया था। भाजपा जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी के नेतृत्व में जिला कार्यालय पर सभी कार्यकर्ताओं का भव्य एकत्रीकरण हुआ, जिसके बाद कार्यकर्ताओं ने भारत माता की जय और श्लोकतंत्र



बचाओ, अराजकता हटाओश के गगनभेदी नारों के बीच एकजुट होकर लखनऊ के लिए प्रस्थान किया। जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी के समन्वय में जनपद की सभी विधानसभाओं से स्थानीय विधायकों ने अपने–अपने क्षेत्रों के हजारों कार्यकर्ताओं और आम जनता के काफिले का नेतृत्व किया। उन्नाव सदर विधानसभा से विधायक पंकज गुप्ता, बाँगरमऊ विधानसभा से विधायक श्रीकांत कटियार, सफीपुर विधानसभा से विधायक बम्बा लाल दिवाकर, मोहान विधानसभा से विधायक आशुतोष शुक्ला और पुरवा विधायानसभा से विधायक अनिल सिंह (पुरवा व भगवंतनगर क्षेत्र) की अगुवाई में कार्यकर्ताओं के विशाल काफिले लखनऊ के लिए रवाना हुए।

उन्नाव से रवाना हुआ यह विशाल काफिला लखनऊ पहुंचकर लोक भवन से परिवर्तन चौक तक आयोजित मुख्य पदयात्रा में शामिल हुआ। इस ऐतिहासिक रैली को मुख्य रूप से संबोधित करते हुए केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विपक्ष पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि विपक्षी दल (I-N-D-I-A- गठबंधन) अपनी राजनीतिक विफलताओं और चुनावी हार से हताश होकर देश में अशांति और अराजकता फैलाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि बार–बार चुनाव हारने के बाद अपनी गलतियों को सुधारने के बजाय कांग्रेस और समाजवादी पार्टी जैसी पार्टियां जनता को गुमराह कर रही हैं और संवैधानिक संस्थाओं पर मनगढ़ंत आरोप लगा रही हैं। केंद्रीय मंत्री ने स्पष्ट किया कि भाजपा का यह अभियान देश के लोकतंत्र की रक्षा, सुशासन और विकास के संकल्प को जनता तक पहुंचाने की एक मजबूत मुहिम हैद्य इस अवसर पर उत्तर प्रदेश भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक समेत कई वरिष्ठ नेताओं की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिनके नेतृत्व में जुटी भारी भीड़ ने इस विशाल पदयात्रा को सफल बनाया।

खाद वितरण में अवैध वसूली का आरोप

नायब तहसीलदार ने सचिव को दी जेल भेजने की चेतावनी



लोक हस्तक्षेप संवाददाता

रामसनेहीघाट बाराबंकी। स्थानीय तहसील क्षेत्र छंदवल पंचायत के निम्बहा सहकारी समिति में उस वक्त बवाल मच गया जब 350 बोरी खाद के लिए सैकड़ों किसानो की भीड़ उमड़ पड़ी कुछ किसानों की एक दूसरे से बहस शुरू हो गई। किसानों का सीधा आरोप है कि खाद्य सहकारी समिति के सचिव दशरथ लाल ने समिति को प्राइवेट दुकान बना रखा है! सचिव का खास प्राइवेट एजेंट श्राहुलश खुलेआम वसूली कर रहा है – जो ज्यादा पैसा दे, उसे बिना टोकन के तुरंत खाद, और बेचारा टोकन वाला किसान घंटों लाइन में खड़ा–खड़ा धक्के खा रहा है!

आज जैसे ही खाद की सुचना किसानो को मिली लोकल पब्लिक टूट पड़ी। टोकन ज्यादा, बोरियां कम! देखते ही देखते लाइन में धक्का–मुक्की और फिर राहुल से किसानों की तीखी नोकझोंक शुरू हो गई।हंगामे की सूचना मिलते ही मौके पर नायब तहसीलदार उमेश द्विवेदी व अहमदपुर की पुलिस चौकी टीम पहुंची पर किसानों ने प्रशासन को तहरीर दी। नायब तहसीलदार ने मौके पर पहुंचकर सचिव को जमकर फटकार लगाई और दो टूक कहा – ष्सुधर जाओ, वरना अगली बार भेदभाव की शिकायत मिली तो सीधे जेल भेजे जाओगे! फिलहाल प्राइवेट लड़के राहुल को समिति से भगाने का आदेश दे दिया गया है, लेकिन सवाल ये है – क्या सिर्फ राहुल को हटाने से खेल खत्म होगा या सचिव पर भी बड़ा एक्शन होगा?

मगरवारा चौकी क्षेत्र में बड़े पैमाने पर बुकी जुए का संचालन, रोजाना हो रही लाखों की हार–जीत

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

उन्नाव। मगरवारा चौकी क्षेत्र अवैध जुआ संचालन को लेकर चर्चा में है। चौकी क्षेत्र के करोवन (वजीरखेड़ा) में खुलेआम बड़े पैमाने पर बुकी जुआ संचालित किए जाने का मामला सामने आया है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, इस जुए का संचालन बाबू सिंह और लालू निवासी (शराब मील) और साथी सुनील काका नाम के युवक द्वारा किया जा रहा है।

बताया जा रहा है कि सेहराज अली के मदरसा तालीम के पास स्थित एक खेत में पेड़ के



नीचे पीले तिरपाल बिछाकर जुए का फड़ संचालित किया जा रहा है। यहां प्रतिदिन लाखों रुपये की हार–जीत होने का आरोप है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस गतिविधि की जानकारी क्षेत्र में काफी समय से है और कई बार मगरवारा चौकी पुलिस से इसकी शिकायत भी की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं होने का आरोप लगाया जा रहा है। हीं, क्षेत्रीय लोगों ने जुआ संचालन के चलते आसपास चोरी की घटनाओं में बढ़ोतरी की आशंका भी जताई है। उनका कहना है कि इस तरह की गतिविधियों से क्षेत्र के युवाओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है और युवा गलत रास्ते की ओर आकर्षित हो सकते हैं।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि शिकायतों के बावजूद जुआ संचालन पर अब तक कार्रवाई क्यों नहीं हो सकी? क्या जिम्मेदार अधिकारियों को इसकी जानकारी नहीं है या फिर शिकायतों को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है?

खाद्य सुरक्षा विभाग का छापा, डेयरी पर मानकों में मिली खामी,दूध-पनीर नष्ट

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

रामसनेहीघाट बाराबंकी। मंगलवार को खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने रामसनेहीघाट क्षेत्र में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता परखने के लिए बड़ी छापेमारी की।टीम ने क्षेत्र की कई दुकानों और डेयरी प्रतिष्ठानों की जांच की। इसी दौरान नारायण डेयरी पर छापा मारा गया, जहां खाद्य सुरक्षा मानकों में भारी अनियमितताएं मिलीं। मानक पर खरा न उतरने पर मौके





पर ही दूध और पनीर को नष्ट कराया गया।

इसी कार्रवाई के दौरान एक पिकअप वाहन को भी रोका गया, जिसमें दूध और पनीर लादकर ले जाया जा रहा था। टीम ने वाहन में रखे खाद्य पदार्थों के नमूने लिए और सील–मोहर कर जांच के लिए प्रयोगशाला भेज दिया। जांच के दौरान पिकअप चालक अपना ड्राइविंग लाइसेंस भी नहीं दिखा सका, जिस पर अधिकारियों ने उससे कड़ी पूछताछ की।

जांचकर्ता अधिकारी एसपी सिंह ने बताया कि सभी नमूनों को जांच के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद यदि मानकों का उल्लंघन पाया गया तो संबंधित प्रतिष्ठानों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

भाकियू टिकैत गुट का संगठनात्मक विस्तार, रामसनेहीघाट में कैंप कार्यालय का शुभारंभ

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

रामसनेहीघाट बाराबंकी। भारतीय किसान यूनियन राकेश (टिकैत गुट) के संगठनात्मक विस्तार एवं किसानों की समस्याओं को मजबूती से उठाने के उद्देश्य से रामसनेहीघाट क्षेत्री सनौली बेलसडी जिला अध्यक्ष सरदार वीरेंद्र सिंह की मौजूदगी में में कैंप कार्यालय का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से राम किशोर पटेल एवं उत्कर्ष तिवारी ने संयुक्त रूप से फीता काटकर कार्यालय का विधिवत शुभारंभ किया।

इस अवसर पर संगठन के



पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं में उत्साह देखने को मिला। क्षेत्रीय में कैंप कार्यालय खुलने से किसानों को अपनी समस्याओं एवं शिकायतों को संगठन तक पहुंचाने में सुविधा मिलेगी। साथ ही किसान हितों से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने और संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने में मदद मिलेगी।

कार्यक्रम के दौरान संगठन की एकजुटता एवं किसान हितों के लिए संघर्ष करने के संकल्प पर जोर दिया गया।जिसमें अनुज सिंह वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष, युवा मध्यांचल महासचिव विशाल वर्मा– युवा मध्यांचल प्रभारी, रोहित द्विवेदी– युवा मध्यांचल महामंत्री, बाली शुक्ला – युवा मध्यांचल सचिव, सरदार वीरेन्द्र सिंह – युवा जिला प्रभारी, प्रदेश सचिव, अवधेश वर्मा युवा मंडल मीडिया प्रभारी, हरि नाम रावत, शिव मगन रावत, नन्हे लाल विश्वकर्म, सरदार जितेन्द्र सिंह,लल्लू सिंह, घनश्याम रावत, दुर्गेश पांडेय, राजपाल समेत तमाम किसान गुट के पदाधिकारी व सदस्य मौजूद रहे।

बीईओ संजय राय की अनूठी पहल, गरीब बच्चों को मिली JEE की मुफ्त किताबें





लोक हस्तक्षेप संवाददाता

रामसनेहीघाट बाराबंकी। बीईओ संजय राय की अनूठी पहल, क्षेत्र में करीब 80 गरीब बच्चों को मिली जेई की मुफ्त किताबें

बनीकोडर ब्लॉक में शिक्षा के क्षेत्र में एक मिसाल कायम हुई है। असंद्रा स्थित सक्सेस पॉइंट लाइब्रेरी में ब्लॉक के खंड शिक्षा अधिकारी संजय कुमार राय ने जेई मैन (JEE&Main) और एडवांस (।कअंदबमक) की तैयारी कर रहे होनहार और जरूरतमंद बच्चों को निःशुल्क पुस्तकें वितरित की।बच्चों को फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैथ्स की मुख्य किताबों के साथ माइक्रो प्रैक्टिस सेट और पिछले दस सालों के हल प्रश्न–पत्रों का पूरा किट दिया गया, जिसकी बाजार में कीमत हजारों रुपये है।

इस मौके पर श्री राय ने बच्चों से कहा – ष्आप सिर्फ पढ़ाई पर ध्यान दो, संसाधन की कमी आड़े नहीं आएगी। मेहनत से पढ़ो, अपने माता–पिता और इस पूरे बनीकोडर क्षेत्र का नाम रोशन करो। उन्होंने लाइब्रेरी संचालक से अपील की कि ये किताबें लाइब्रेरी में हमेशा उपलब्ध रहें ताकि आने वाले सालों में भी गरीब बच्चे इसका लाभ ले सकें।किताबें हाथ में आते ही बच्चों के चेहरे पर मुस्कान और आंखों में डॉक्टर–इंजीनियर बनने का सपना साफ दिख रहा था। क्षेत्र के लोगों ने बीईओ की इस पहल की जमकर सराहना की है।

इलेक्ट्रॉनिक्स की दुकान में भीषण आग, लाखों का सामान जलकर राख

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

मैगलगंज (लखीमपुर खीरी)। मैगलगंज कस्बे के मुख्य चौराहे पर स्थित राजन इलेक्ट्रॉनिक्स की दुकान व गोदाम में भीषण आग लग गई।

हादसे में दुकान के अंदर रखा फ्रिज, वाशिंग मशीन,



कूलर, फर्नीचर और नकदी समेत लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। शुरुआती जांच में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है।

दुकान से लपटें उठती देख स्थानीय लोगों ने पुलिस और दमकल विभाग को सूचना दी। फायर ब्रिगेड की टीम ने मौके पर पहुंचकर काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। गनीमत यह रही कि दुकान मालिक का परिवार और कर्मचारी समय रहते बाहर निकल आए, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। पुलिस और राजस्व टीम नुकसान का आकलन कर रही है।

अभद्र टिप्पणी की पोस्ट वायरल होने की शिकायत

हरदोई,संवाददाता। पतसेनी स्थित कछौना ब्लॉक मुख्यालय पर शिक्षक और स्नातक एमएलसी चुनाव के दौरान सपा और भाजपा नेताओं के बीच हुई बहस के बाद सोशल मीडिया में एक अभद्र टिप्पणी की पोस्ट वायरल होने की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज किया है। भाजपा कार्यकर्ता प्रतीक गुप्ता ने कछौना कोतवाली में तहरीर दी थी। प्रतीक गुप्ता ने आरोप लगाया कि माधौगंज के निवासी रविकान्त पटेल ने सोशल मीडिया पर अभद्र भाषा वाली पोस्ट वायरल की। पोस्ट में भाजपा की संगठन व्यवस्था और मंडल अध्यक्ष मयंक सिंह के दायित्व को लेकर अभद्र टिप्पणी की गई थी। प्रतीक गुप्ता ने रविकान्त पटेल पर जान–माल की धमकी देने का भी आरोप लगाया है। इंस्पेक्टर अनिल कुमार ने बताया कि शिकायत और मिले सबूतों के आधार पर संबंधित धाराओं में केस दर्ज किया गया है। मामले की जांच जारी है।

भगवत कथा देती है सद्भाव भाईचारे और सत्कर्म की प्रेरणा - कुंवर अजयपाल सिंह

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

ऊंचाहार , रायबरेली । क्षेत्र के गांव पूरे राठौरन में चल रही श्रीमद भगवत कथा के अंतिम दिन मंगलवार को क्षेत्र के लोकप्रिय नेता और पूर्व विधायक कुंवर अजयपाल सिंह पहुंचे , इस मौके पर उन्होंने लोगों से कहा कि हमारे जीवन की कठिनाइयों को सरल बनाने वाली भगवत कथा हमें सद्भाव भाईचारे और सत्कर्म की प्रेरणा देती है।

उन्होंने कहा कि यह कथा हमें याद दिलाती है कि हमारा यह जीवन और प्रत्येक सांस अत्यंत मूल्यवान है, इसे केवल भौतिक सुखों या पशुवत प्रवृत्ति में ही व्यर्थ नहीं गंवाना चाहिए।कथा श्रवण से मन निर्मल होता है और समाज में सद्भाव, भाईचारा तथा अच्छे कर्म करने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि कथा हमें



सिखाती है कि कर्म करना हमारा अधिकार और कर्तव्य है, परंतु हमें फल की आसक्ति के बिना जीवन में निष्ठापूर्वक कार्य करना चाहिए। कठिन समय या आर्थिक संकट के दौरान भी भागवत कथा सुनने से मन शांत होता है, जिससे धैर्य और सही निर्णय लेने की क्षमता विकसित होती है। उन्होंने कहा कि यह कथा संसार त्यागना नहीं सिखाती, बल्कि परिवार और समाज की जिम्मेदारियों को निभाते हुए हृदय में भक्ति और परमपिता परमात्मा से जुड़े रहना सिखाती है। इससे पूर्व कथा पंडाल में पहुंचने पर मुख्य यजमान शिव प्रताप सिंह राठौर और अन्य ग्रामीणों ने पूर्व विधायक का स्वागत किया । इस मौके पर प्रमुख रूप से नगर पंचायत के पूर्व उपाध्यक्ष बाबा ज्ञान सिंह , ग्राम प्रधान धनराज यादव गंगा बक्स सिंह , कोमल यादव , शिव शंकर मिश्र , राजू सिंह , राम सिंह , ओम प्रताप सिंह, भानु प्रताप सिंह , रणवीर सिंह , पप्पू अग्रहरि , सुंदर सिंह , गोलू तिवारी , अनिल सिंह आदि मौजूद थे ।

लखीमपुर खीरी के शिक्षक व किसान वीरेंद्र शुक्ला को मिलेगा 'शुगरकेन आइकन' अवॉर्ड

'मिलियनेयर फार्मर ऑफ इंडिया' के लिए चयन

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

लखीमपुर खीरी। जिला ब्यूरो

उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले के बिजुआ ब्लॉक के रहने वाले राज्य पुरस्कार प्राप्त शिक्षक और प्रगतिशील किसान वीरेंद्र शुक्ला को देश के प्रतिष्ठित कृषि सम्मान 'मिलियनेयर फार्मर ऑफ इंडिया अवॉर्ड्स 2026' के तहत 'शुगरकेन आइकन' (नहंतबंदम ष्बवद) अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा। कृषि जागरण द्वारा आयोजित किए जाने वाले इस राष्ट्रीय समारोह के लिए उनका चयन किया गया है, जिसे भारतीय कृषि जगत का 'ऑस्कर' भी माना जाता है।

शिक्षण के साथ–साथ कृषि के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रधानाध्यापक वीरेंद्र शुक्ला को यह पुरस्कार आगामी 1 से 3 दिसंबर 2026 को नई दिल्ली के पूसा ग्राउंड में आयोजित



होने वाले भव्य समारोह में दिया जाएगा। आगामी 1 दिसंबर को केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा उन्हें इस गौरवशाली उपाधि से नवाजा जाएगा।

वीरेंद्र शुक्ला ने जहां एक तरफ प्राथमिक शिक्षा के स्तर को सुधारने के लिए राज्य पुरस्कार हासिल किया, वहीं दूसरी तरफ आधुनिक व वैज्ञानिक पद्धतियों का इस्तेमाल कर गन्ने की रिकॉर्ड पैदावार कर जिले का नाम रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि पर जिले के किसानों, शिक्षकों और शिक्षा विभाग के अधिकारियों में हर्ष का माहौल है। लोगों का कहना है कि वीरेंद्र शुक्ला ने यह साबित कर दिया है कि दृढ़ इच्छाशक्ति से शिक्षा और कृषि दोनों क्षेत्रों में एक साथ शीर्ष मुकाम हासिल किया जा सकता है।

आशा वर्कर्स ने उठाई राज्य–कर्मचारी का दर्जा देने की मांग

हरदोई,संवाददाता। जिले में उत्तर प्रदेश आशा वर्कर्स यूनियन (संबद्ध ऐक्टू) की जिलाध्यक्ष मुकलेश के नेतृत्व में मंगलवार को प्रतिनिधिमंडल ने सिटी मजिस्ट्रेट के माध्यम से डीएम को 13 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा। दोपहर करीब दो बजे ज्ञापन देने पहुंचीं आशा कर्मियों ने एकजुटता के नारे भी लगाए। यूनियन की प्रमुख मांग है कि 7 फरवरी 2026 को स्वास्थ्य मंत्री के साथ हुई वार्ता और 23 अक्टूबर 2026 को मिशन निदेशक की ओर से दिए गए आश्वासन के अनुसार आशा कर्मियों को जल्द राज्य कर्मचारी का दर्जा दिया जाए।ज्ञापन में राज्य वित्त से आशा वर्करों के अंशदान में 4,500 रुपए की बढ़ोतरी करने और प्रोत्साहन राशि में 50 प्रतिशत इजाफा करने की मांग की गई। इसके अलावा बकाया प्रोत्साहन राशि, लंबित श्रैल और ज्टप् का पूरा भुगतान दीपावली से पहले पारदर्शी तरीके से कराने की मांग उठाई गई। यूनियन ने मातृत्व अवकाश के साथ साप्ताहिक और त्योहारों पर छुट्टी देने की भी मांग की।

पुलिस ने चार वारंटी अभियुक्तों को पकड़ा, न्यायालय के समक्ष पेश किया

सीतापुर,संवाददाता। थाना इमलिया सुल्तानपुर पुलिस ने वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत चार वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी करने के बाद न्यायालय के समक्ष पेश किया। । थाना इमलिया सुल्तानपुर पुलिस टीम ने चारों वारंटी अभियुक्तों को हिरासत में लेकर नियमानुसार कार्रवाई की और न्यायालय में पेश किया।

सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव का काशी दौरा : भाजपा पर तीखा हमला, कहा- बनारस ने दिया डबल जीरो का स्वाद

विशेष संवाददाता, वाराणसी। विधान परिषद (डस्ब्) चुनाव परिणामों में मिली बड़ी जीत के बाद समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव मंगलवार को वाराणसी पहुंचे। बाबतपुर हवाई अड्डे पर सपा कार्यकर्ताओं ने ढोल–नगाड़ों और गगनभेदी नारों के साथ उनका अभूतपूर्व स्वागत किया। हवाई अड्डे से लेकर शहर के विभिन्न मार्गों पर जगह–जगह उनका जोरदार अभिनंदन किया गया।

मुख्यमंत्री पद की शपथ को लेकर बड़ा एलान

मीडिया से औपचारिक बातचीत के दौरान अखिलेश यादव ने आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर एक बड़ी राजनीतिक घोषणा की। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे आगामी विध्ाानसभा चुनाव में प्रत्याशी के रूप में नहीं उतरेंगे। सपा सुप्रीमो ने आत्मविश्वास से लबरेज अंदाज में कहा, ष्मैं चुनाव नहीं लड़ूंगा, हमारी पार्टी पूर्ण बहुमत हासिल करेगी और मैं सीधे मुख्यमंत्री पद की शपथ लूंगा।ष

डबल इंजन सरकार पर साधा निशाना

वाराणसी (काशी) की धरती से केंद्र और प्रदेश की सत्ताधारी दल पर हमला बोलते हुए सपा अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र की जनता ने भाजपा की नीतियों को नकार दिया है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, ष्बाबा विश्वनाथ की पावन नगरी ने भाजपा की इस तथाकथित डबल इंजन सरकार को श्डबल हारश और श्डबल जीरोश का स्वाद चखाया है। जनता अब बदलाव का मन बना चुकी है और उत्तर प्रदेश की सत्ता से भाजपा की विदाई तय है।

काशी के विकास के लिए मेट्रो का वादा

वाराणसी की चिरपरिचित यातायात (ट्रैफिक) समस्या पर बोलते हुए अखिलेश यादव ने वर्तमान सरकार के विकास दावों को खोखला बताया। उन्होंने वादा किया कि उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनते ही काशी की जनता को जाम से मुक्ति दिलाने के लिए श्मेट्रो रेल परियोजनाश और रिवरफ्रंट कॉरिडोर पर तुरंत काम शुरू किया जाएगा।

दौरे के अंत में अखिलेश यादव दिवंगत सपा नेता राजेश यादव श्नत्थूश के आवास पर भी गए, जहां उन्होंने शोक संतप्त परिजनों से मुलाकात कर अपनी संवेदनाएं प्रकट कीं और नेताजी को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान पार्टी के कई वरिष्ठ स्थानीय नेता और भारी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भारत बौद्धिक्स २.० परीक्षा : पंजीकरण की अंतिम तिथि ५ नवंबर तक बढ़ी

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

लखनऊ। उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने वर्चुअल बैठक में बताया कि भारतीय ज्ञान परंपरा पर आधारित श्भारत बौद्धिक्स 2.0 नेशनल एग्जामिनेशन–2026श के पंजीकरण की अंतिम तिथि 5 नवंबर 2026 कर दी गई है। अब तक 1.60 लाख से अधिक युवा रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं। परीक्षा 21 नवंबर को सुबह 10 से 12 बजे तक प्रदेश भर में ऑफलाइन होगी। सभी विश्वविद्यालयों के कुलसचिव नोडल अधिकारी और परीक्षा नियंत्रक गोपनीय व शुचितापूर्ण आयोजन की कमान संभालेंगे। पाठ्यक्रम और निर्देश http://bharatboudhiks-com पर उपलब्ध है। त्रि–स्तरीय पारदर्शी मूल्यांकन से मेधावी चुने जाएंगे। प्रथम को 1 लाख, द्वितीय के 2 को 50–50 हजार, तृतीय के 4 को 25–25 हजार और 300 को 2500–2500 रुपये पुरस्कार मिलेगा। मंत्री ने सभी कुलपतियों, प्राचार्यों से युद्धस्तर पर छात्रों को प्रेरित करने की अपील की।

आईआईटी–बीएचयू में शिक्षिका के रूप में दिखीं वित्त मंत्री

मंच छोड़ छात्रों के बीच पहुंचीं निर्मला सीतारमण

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

वाराणसी। देश की अर्थव्यवस्था को संभालने वाली केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण मंगलवार को ध्ार्मनगरी काशी में एक बिल्कुल अलग और अनूठे अंदाज में नजर आईं। आईआईटी–बीएचयू के स्वतंत्रता भवन के शताब्दी सभागार में आयोजित श्स्पिक मैकेश (SPIC MACAY) के राष्ट्रीय सम्मेलन में पहुंचे लोग उस वक्त हैरान रह गए, जब वित्त मंत्री एक राजनेता के बजाय एक समर्पित शिक्षिका और मार्गदर्शक की भूमिका में दिखाई दीं।



मंच छोड़कर छात्रों के बीच पहुंचीं मंत्री

कार्यक्रम के दौरान पारंपरिक तरीके से पोडियम पर खड़े होकर भाषण देने के बजाय वित्त मंत्री अचानक मंच से नीचे उतर आईं। वे सीधे छात्र–छात्राओं की दीर्घा (गैलरी) में जाकर खड़ी हो गईं और बेहद अनौपचारिक व सहज तरीके से युवाओं से संवाद शुरू किया। उनके इस आत्मीय व्यवहार को देखकर सभागार में मौजूद छात्र और शिक्षाविद तालियां बजाने से खुद को रोक नहीं पाए।

युवाओं को पढ़ाया भारतीय शास्त्रीय संगीत का पाठ

एक कुशल शिक्षिका की तरह निर्मला सीतारमण ने आईआईटी के छात्र–छात्राओं को भारतीय शास्त्रीय संगीत, हमारे पारंपरिक वाद्य यंत्रों और उनके पीछे छिपे गहरे आध्यात्मिक व वैज्ञानिक महत्व के बारे में विस्तार से समझाया। उन्होंने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि आधुनिक शिक्षा के साथ–साथ अपनी समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर और संगीत को समझना भी बेहद जरूरी है। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने देश की वित्त मंत्री के इस सहज और ज्ञानवर्धक रूप की जमकर सराहना की।

जाम से मुक्ति : काशी में देश का पहला अर्बन पब्लिक ट्रांसपोर्ट रोपवे तैयार

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

वाराणसी। धर्मनगरी काशी को ट्रैफिक जाम के झंझट से मुक्ति दिलाने के लिए बहुप्रतीक्षित अर्बन पब्लिक ट्रांसपोर्ट रोपवे का निर्माण कार्य अपने अंतिम चरण में पहुंच गया है। परियोजना का लगभग 96 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। वर्तमान में कैंट से गोदौलिया के बीच दूसरे चरण का तकनीकी और सुरक्षा ट्रायल युद्धस्तर पर चलाया जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, दिसंबर के महीने में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस ऐतिहासिक सौगात का लोकार्पण कर इसे जनता को समर्पित कर सकते हैं।

बोलीविया के ला पाज और मैक्सिको सिटी के बाद वाराणसी दुनिया का तीसरा ऐसा शहर बनने जा रहा है, जहां सड़कों के बजाय हवा में केबल कार के जरिए पब्लिक ट्रांसपोर्ट का संचालन होगा। जमीन से करीब 50 फीट की ऊंचाई पर दौड़ने वाली इन अत्याधुनिक एसी केबल कारों से कैंट रेलवे स्टेशन से गोदौलिया और काशी विश्वनाथ मंदिर की दूरी महज 16 मिनट में तय की जा सकेगी। वर्तमान में सड़कों पर संकरी गलियों और ट्रैफिक के कारण यह दूरी तय करने में 50 मिनट से अधिक का समय लगता है।

10 से 50 रुपये में हवाई सफर

प्रशासन ने आम जनता और पर्यटकों की सहूलियत को देखते हुए इसके किराए को बेहद किफायती रखा है। रोपवे का न्यूनतम किराया 10 रुपये प्रति स्टेशन तय किया गया है, जबकि कैंट से सीधे अंतिम स्टेशन गोदौलिया तक का सफर 50 रुपये में पूरा होगा। नियमित यात्रियों को राहत देने के लिए नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड या स्मार्ट कार्ड के उपयोग पर किराए में 20 फीसदी की विशेष छूट भी दी जाएगी।

इन पांच स्टेशनों से गुजरेगा कॉरिडोर

लगभग 3.85 किलोमीटर लंबे इस पूरे कॉरिडोर में कुल 5 आध्ाुनिक स्टेशन बनाए गए हैं। पहला स्टेशन वाराणसी कैंट रेलवे स्टेशन है, जो सीधे प्लेटफॉर्म से कनेक्टेड है। इसके बाद काशी विद्यापीठ, रथयात्रा, गिरजाघर और आखिरी स्टेशन गोदौलिया चौराहा बनाया गया है, जो दशाश्वमेध घाट और बाबा विश्वनाथ मंदिर के सबसे नजदीक है। इस पूरे सिस्टम में 150 से अधिक गोंडोला शामिल होंगे, जो रोजाना करीब 1 लाख यात्रियों को सफर कराने की क्षमता रखते हैं।

धीरेंद्र शास्त्री के बयान पर वाराणसी में उबाल, संतों में आक्रोश, छात्रों ने फूंका पुतला

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

वाराणसी। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री द्वारा भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण के स्वरूपों को लेकर दिए गए विवादित बयान के बाद ध्ार्म नगरी काशी में आक्रोश भड़क उठा है। वाराणसी के संत समाज और छात्र संगठनों ने इस बयान पर तीखी आपत्ति दर्ज कराई है, जिससे बाबा की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं।

महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ में समाजवादी छात्र सभा के कार्यकर्ताओं ने धीरेंद्र शास्त्री के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और कैंपस के बाहर उनका पुतला फूंका। छात्रों का आरोप है कि शास्त्री ने करोड़ों सनातनी आस्थावानों की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है। छात्रों ने सरकार से धीरेंद्र शास्त्री की तुरंत गिरफ्तारी की मांग की है।

दूसरी ओर, काशी के प्रमुख संतों ने भी इस बयान पर गहरा क्षोभ व्यक्त किया है। सुमेरु पीठाध्ीश्वर शंकराचार्य स्वामी नरेंद्रानंद सरस्वती ने कहा कि राम और कृष्ण एक ही परम सत्ता के दो रूप हैं। इनमें अंतर बताने वाला या किसी एक को छोटा दिखाने वाला व्यक्ति पूरी तरह अज्ञानी है। संतों ने चेतावनी दी है कि ऐसे बयानों से समाज में विभाजन पैदा होता है और इसके लिए ध्ीरेंद्र शास्त्री को देश से बिना शर्त माफी मांगनी चाहिए।

वाराणसी दौरे पर आए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी इस मुद्दे पर सरकार को घेरा। उन्होंने इसे सनातन धर्म का अपमान बताते हुए मांग की कि शास्त्री के कार्यक्रमों पर तुरंत रोक लगाई जाए और कानूनी कार्रवाई की जाए। हालांकि, चौतरफा विवाद बढ़ता देख धीरेंद्र शास्त्री ने केन्या से एक वीडियो संदेश जारी कर हाथ जोड़कर माफी मांगी है। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य भगवान का अपमान करना नहीं, बल्कि भक्ति भाव में एक प्रसंग समझाना था। इसके बावजूद वाराणसी में उनके खिलाफ विरोध प्रदर्शनों का दौर जारी है।

खाद वितरण पर किसानों ने हंगामा किया

बांदा,संवाददाता। जिले के जसपुरा गल्ला मंडी में मंगलवार को खाद बांटने के दौरान किसानों ने हंगामा किया। किसानों ने कर्मचारियों पर बिना टोकन कुछ लोगों को खाद देने और डीएपी के तय दाम से 15 रुपए ज्यादा लेने का आरोप लगाया। किसानों का कहना था कि वे लाइन में अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे। बिना टोकन खाद दिए जाने पर उन्होंने वितरण व्यवस्था पर सवाल उठाए। मामले की जानकारी थाना अध्यक्ष राधाकृष्ण तिवारी को दी गई। उन्होंने जसपुरा थाने से पुलिस बल मौके पर भेजा। पुलिस ने किसानों को समझाया और स्थिति संभाली। किसानों ने दिलीप और विनय के सामने कहा कि डीएपी का सरकारी दाम 1,350 रुपए है, जबकि मंडी में उनसे 1,365 रुपए लिए जा रहे हैं। उन्होंने 15 रुपए अतिरिक्त लेने पर सवाल उठाया। नायब तहसीलदार वेद प्रकाश को भी मामले की जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि खाद प्राइवेट दुकानदार बांट रहे हैं। उनके मुताबिक, बोरियां उतारने और चढ़ाने की मजदूरी के तौर पर 15 रुपए लिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे मौके पर पहुंचकर मामले को देखेंगे।

जन-आंदोलन बनेगा 'खेत बचाओ अभियान : शाही

लखनऊ,संवाददाता। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने आज भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान में 'खेत बचाओ अभियान' के शुभारंभ कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री, शिवराज सिंह चौहान उपस्थित रहे। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने प्रदेश के अन्नदाताओं के लिए एक बड़ी उपलब्धि की जानकारी साझा करते हुए बताया कि केंद्र सरकार ने उत्तर प्रदेश के किसानों के हित में ऐतिहासिक निर्णय लिया है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने खरीफ 2026 सीजन हेतु मूल्य समर्थन योजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर 86,500 मीट्रिक टन मूंगफली एवं 43,250 मीट्रिक टन तिल की खरीद के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। श्री शाही ने कहा कि यह फैसला प्रदेश के मूंगफली एवं तिल उत्पादक किसानों को उनकी उपज का लाभकारी मूल्य सुनिश्चित कराएगा तथा उन्हें किसी भी प्रकार की संकटपूर्ण बिक्री से बचाकर आर्थिक रूप से सशक्त व आत्मनिर्भर बनाएगा।

उन्होंने कहा कि 'खेत बचाओ अभियान' केवल एक सामान्य कार्यक्रम नहीं, बल्कि मृदा स्वास्थ्य को बचाने, जल संरक्षण को बढ़ावा देने, रासायनिक उर्वरकों के अंधाधुंध प्रयोग को कम करने तथा किसानों को प्राकृतिक एवं टिकाऊ खेती की ओर अग्रसर करने का एक जन–आंदोलन है। रासायनिक खादों के अत्यधिक उपयोग से हमारी धरती की उर्वरा शक्ति निरंतर क्षीण हो रही है। इस गंभीर चुनौती से निपटने के लिए किसानों को जैविक खाद, गोबर की खाद, हरी खाद और नैनो उर्वरकों के संतुलित प्रयोग को अपनाना होगा, ताकि खेत की मिट्टी को पुनः जीवंत बनाया जा सके। उन्होंने बल देकर कहा कि अन्नदाता का सम्मान ही राष्ट्र का सम्मान है और केंद्र व प्रदेश सरकार किसानों के कल्याण के लिए निरंतर पूरी निष्ठा के साथ कार्य कर रही है।इस अवसर पर भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. एस.एन. सुशील, भारत सरकार के कृषि संयुक्त सचिव मुक्तानन्द अग्रवाल, आईसीएआर–अटारी कानपुर के निदेशक डॉ. राघवेंद्र सिंह, कृषि वैज्ञानिक एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

राजधानी में एलपीजी गैस ट्रांसपोर्टरों की हड़ताल,इंडेन सिलेंडरों की सप्लाई ठप

लखनऊ,संवाददाता। राजध्ाानी के अमौसी स्थित इंडियन ऑयल एलपीजी बॉटलिंग प्लांट में मंगलवार सुबह छह बजे से सिलेंडरों की उठान बंद है। 15 ट्रांसपोर्टरों ने अपने 206 ट्रकों का चक्का जाम कर दिया है। उनका आरोप है कि 2023 के टेंडर में 192 गैस एजेंसियों तक सिलेंडर पहुंचाने का काम देने का वादा किया गया था, लेकिन अब केवल 80 एजेंसियों का काम मिल रहा है। इससे ट्रांसपोर्टर बैंक की किस्त, डीजल और ड्राइवरों का वेतन तक नहीं निकाल पा रहे हैं। उन्होंने साफ कहा है कि लिखित आश्वासन मिलने तक सिलेंडरों की उठान शुरू नहीं करेंगे। हड़ताल से जिले की इंडेन गैस एजेंसियों तक आपूर्ति प्रभावित हुई है। ट्रांसपोर्टरों के मुताबिक, वर्ष 2023 में हुए टेंडर के दौरान लखनऊ के अलावा बाराबंकी, अयोध्या, बहराइच, गोंडा, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर और सीतापुर की 192 गैस एजेंसियों तक सिलेंडर पहुंचाने का काम दिया गया था। इसके लिए 15 ट्रांसपोर्टरों के 206 ट्रक लगाए गए थे।

करीब एक साल पहले कंपनी ने काम घटाकर लखनऊ और बाराबंकी की 80 एजेंसियों तक सीमित कर दिया। इससे उनकी कमाई आधे से भी कम रह गई। ट्रांसपोर्टरों का कहना है कि टेंडर के समय प्रति ट्रक हर महीने करीब 2.45 लाख रुपये के काम का आश्वासन दिया गया था। अब एक ट्रक से 80 से 90 हजार रुपये का ही काम मिल पा रहा है। उनका आरोप है कि जिन एजेंसियों पर काम देने की बात कही गई थी, उनमें से कई दूसरी जगह के ट्रांसपोर्टरों को दे दी गईं। ट्रांसपोर्टरों ने बताया कि टेंडर मिलने के बाद उन्होंने बैंक से लोन लेकर ट्रक खरीदे थे। हर ट्रक की करीब 50,000 रुपए ये महीने की किस्त देनी पड़ती है। इसके अलावा ड्राइवर का 15 हजार रुपये वेतन, लोडिंग–अनलोडिंग पर करीब 15,000 रुपए और डीजल पर लगभग 40 हजार रुपए खर्च होते हैं। ऐसे में ट्रकों से होने वाली कमाई खर्च से भी कम पड़ रही है।

उनका कहना है कि इस समस्या को लेकर प्लांट मैनेजर, कंपनी के उच्च अधिकारियों, जिलाधिकारी और जिला पूर्ति अधिकारी से कई बार बातचीत की गई, लेकिन समाधान नहीं निकला। ट्रांसपोर्टरों का आरोप है कि अधिकारी समस्या के समाध्ाान का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन कंपनी के अधिकारी उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दे रहे हैं।

देश को अराजकता की आग में झोंकना चाहता है इंडिया गठबंधन : शिवराज सिंह

लखनऊ,संवाददाता। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को कांग्रेस और इंडिया गठबंधन पर तीखा हमला बोलते हुए उन पर राजनीतिक अस्थिरता पैदा करने और देश को विभाजित करने का प्रयास करने का आरोप लगाया। उन्होंने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का बचाव करते हुए आरोप लगाया कि विपक्षी दल अवैध प्रवासियों और फर्जी मतदाताओं के हितों की रक्षा के लिए इस प्रक्रिया का विरोध कर रहे हैं। चौहान ने यहां लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ पदयात्रा से पहले एक सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रशंसा की तथा कहा कि उनके नेतृत्व ने देश और राज्य में महत्वपूर्ण परिवर्तन लाए हैं। उन्होंने कहा, मोदी जी और योगी जी ने उत्तर प्रदेश में सचमुच कुछ असाधारण एवं ऐतिहासिक किया है। यही बात हमारे इंडिया गठबंधन के साथियों को परेशान कर रही है। वे लगातार यह सोच रहे हैं कि नरेन्द्र मोदी और राजग को कैसे हराया जाए। चौहान ने कहा कि कांग्रेस ने कई राज्यों में अपना राजनीतिक असर खो दिया है, ऐसे में उसके साथ जुड़ने से उसके सहयोगी दलों को भी राजनीतिक नुकसान होगा। केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाया कि कांग्रेस और इंडिया गठबंधन लोकतंत्र को हिंसा और अव्यवस्था वाले तंत्र में बदलना चाहते हैं क्योंकि वे चुनावी राजनीति के जरिए भाजपा और राजग को हरा नहीं पा रहे हैं। उन्होंने कहा, जब वे लोगों के बीच हमें हरा नहीं पाए, तो उन्होंने दूसरे तरीके आजमाने शुरू कर दिए। कांग्रेस और पूरा इंडिया गठबंधन, लोकतंत्र को गुंडा तंत्र में बदलना चाहता है। वे राजनीति को रक्त नीति (खून–खराबे की राजनीति), लोकतंत्र को लूट तंत्र और लोकतांत्रिक प्रणाली को पीड़ा तंत्र में बदलना चाहते हैं। । दूसरी 1947 में मोहम्मद अली जिन्ना ने की थी। लेकिन आज, राहुल गांधी और इंडिया गठबंधन देश को बांटने एवं इसे अराजकता की आग में धकेलने की तीसरी साजिश की कोशिश कर रहे हैं।

जेन–जी से जुड़ेगा दीपोत्सव–2026, तकनीक संग दिखेगी रामनगरी की विरासत : जयवीर

लखनऊ,संवाददाता। अयोध्या में दीपोत्सव–2026 इस बार जेन–जी के रंग में रंगा नजर आएगा। परंपरागत दीयों की रोशनी के साथ आधुनिक तकनीक का संगम सरयू घाटों पर ऐसा दृश्य रचा जाएगा, जो युवाओं को विशेष रूप से आकर्षित करेगा। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग की ओर से दीपोत्सव के दौरान मल्टीमीडिया प्रोजेक्शन और लेजर शो के साथ 100 से अधिक कलाकारों का लाइव परफॉर्मेंस होगा। राम की पैड़ी पर 7 नवंबर को होने वाले भव्य आयोजन में दीपों की आभा को कृत्रिम रोशनी, तकनीक और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ जोड़कर आगंतुकों के लिए विशेष अनुभव प्रस्तुत करेगा। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि दीपोत्सव में परंपरागत दीयों की रोशनी से जगमगाने वाली रामनगरी तकनीक और कला के अद्भुत संगम की भी साक्षी बनेगी। इस दौरान विशेष प्रस्तुतियां विशेषकर जेन–जी को ध्यान में रखकर डिजाइन की गई है। प्रभु श्रीराम के अयोध्या लौटने की कथा को प्रोजेक्शन मैपिंग, लेजर, एरियल एक्ट और कलाकारों की प्रस्तुतियों के माध्यम से जीवंत होगा।



करीब 28 मिनट के भव्य शो में भारतीय परंपरा, आधुनिक तकनीक और मंचीय प्रस्तुतियों का समायोजन राम भक्तों के समक्ष रामायण के प्रसंगों को प्रस्तुत किया जाएगा। दीपोत्सव–2026 के दौरान रामनगरी में पांच से नौ नवंबर तक मल्टीमीडिया प्रोजेक्शन और लेजर शो आकर्षण का केंद्र रहेंगे। पांच नवंबर को दो ट्रायल शो के साथ इसकी शुरुआत होगी, जबकि छह नवंबर को फुल ड्रेस रिहर्सल होगी। सात नवंबर को दीपोत्सव की संध्या पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समक्ष विशेष प्रस्तुति दी जाएगी। इसके अलावा आमजन के लिए तीन अतिरिक्त शो भी आयोजित होंगे। वहीं, आठ नवंबर को दीपावली के दिन चार शो होंगे, हालांकि इनमें नृत्य कार्यक्रम शामिल नहीं होगा। अयोध्यावासियों को ध्यान में रखकर नौ नवंबर को विशेष ड्रोन शो का आयोजन होगा।दीपोत्सव में मल्टीमीडिया प्रोजेक्शन और लेजर शो पिछले वर्षों में भी आकर्षण का केंद्र रहे हैं। इस बार पर्यटन विभाग ने जेन–जी की रुचियों को ध्यान में रखते हुए प्रस्तुति में नयेपन पर जोर दिया है।

भाजपा ने लोकतंत्र बचाओ रैली निकाली,50 हजार से ज्यादा कार्यकर्ता सड़कों पर उतरे

लखनऊ,संवाददाता। यूपी में भाजपा ने मंगलवार को लोकतंत्र बचाओ रैली निकाली लखनऊ और बरेली में 50 हजार से ज्यादा कार्यकर्ता और समर्थक सड़कों पर उतरे। हाथ में भाजपा का झंडा और लोकतंत्र बचाओ लिखे पोस्टर लेकर चले। लखनऊ में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान पदयात्रा में शामिल हुए। उन्होंने कहा कांग्रेस और राहुल गांधी मोदी को हरा नहीं पा रहे हैं तो षडयंत्र रचने लगे हैं। मैं बता दूं कि मोदी देश के मुकुट मणि हैं। भगवान का वरदान हैं। उन्होंने कहा आप लोग ऐसे नारे लगाइए कि दिल्ली में राहुल कांप जाएं। एसआईआर के खिलाफ प्रदर्शन पर उन्होंने सपा मुखिया अखिलेश यादव से पूछा कि बताइए जरा, जिसका नाम वोटर लिस्ट में 2 जगह है, उसका नाम एक जगह



से कटना चाहिए या नहीं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा बंगाल से लेकर राजस्थान तक हर जगह INDI गठबंधन ने हार पाई है। इसलिए अखिलेश बाबू फरवरी में आप भी निपट जाओगे। निषाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और प्रदेश सरकार में मंत्री संजय निषाद ने कहा कि लोकतंत्र के विरोध में विपक्षी पार्टियां काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं की तरफ से मछुआरा आरक्षण देने जाने का मुद्दा जो उठाया गया रैली के दौरान तो वह घर की बात है। घर में मां–बाप के सामने ही बच्चा अपनी बात उठाता है।

उनका कहना है कि गोरखपुर में कार्यक्रम के चलते वह पदयात्रा में शामिल होने के बाद यहां से निकल रहे हैं। शिवराज ने कहा मोदी का मुकाबला कोई नहीं कर पा रहा है। बंगाल से लेकर राजस्थान तक हर जगह कांग्रेस ने हार पाई है। इसलिए अखिलेश भी समझ लें कि यूपी के चुनाव में उनका कुछ नहीं होने वाला। फरवरी में अखिलेश बाबू भी निपट जाएंगे। शिवराज ने कहा राहुल जी सरकार में आने के लिए जनता का दिल जीतना होता है। मैदान में जीत नहीं सकते तो सड़क पर अराजकता फैला रहे हैं। आप लोग आज यहां से ऐसे नारे लगाइए कि दिल्ली में राहुल गांधी और इंडिया गठबंधन भी कांप जाएं। शिवराज सिंह ने कहा नरेंद्र मोदी मुकुट मणि हैं, भगवान का वरदान हैं। उन्होंने 49 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है। आज हम लोग विपक्ष का असली चेहरा लोगों के सामने लाने के लिए सड़क पर उतरे हैं।

अज्ञात वाहन ने बाइक सवार युवक मारी टक्कर, इलाज के दौरान दम तोड़ा

लखनऊ,संवाददाता। राजध्ाानी में किसान पथ पर सोमवार देर रात करीब 1 बजे बाजनगर अंडरपास के पास तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक सवार युवक को सामने से टक्कर मार दी। हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने उसे ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। मृतक की पहचान दुबग्गा के मलहा निवासी हरदेव लाल (28) पुत्र बाराती लाल के रूप में हुई। अंधे चौकी प्रभारी विनय गुरुदेव ने बताया कि युवक की जेब से मिले आधार कार्ड के जरिए उसकी पहचान हुई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हरदेव लाल आशियाना स्थित एक होटल में हेड शेफ था। सोमवार रात ड्यूटी खत्म करने के बाद वह बाइक से घर लौट रहा था।

इसी दौरान किसान पथ पर बाजनगर अंडरपास के पास विपरीत दिशा से आ रहे तेज रफ्तार वाहन ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर लगने से वह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसे अस्पताल पहुंचाया, लेकिन इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया।

संपादकीय

फिर हेलीकॉप्टर हादसा

यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि उत्तराखंड में तीर्थयात्रियों को ला रहा एक हेलीकप्टर फिर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में बद्रीनाथ से देहरादून लौट रहे पांच तीर्थयात्रियों और पायलट समेत छह लोगों की मौत हो गई। जटिल भौगोलिक परिस्थितियों के चलते पहाड़ी इलाकों में हेलीकप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने पर यात्रियों के बचने की संभावना ना के बराबर होती है। यदि राहत व बचाव का कार्य शुरू भी किया जाए तो विषम परिस्थितियों में यह संभव नहीं हो पाता। लेकिन बेहद ऊंचे हिमालयी इलाकों में हेलीकप्टर सेवा को लेकर जो अतिरिक्त सुरक्षा सावधानी बरती जानी चाहिए, वह नजर नहीं आती। लगता हेलीकप्टर सेवा संचालित करने वाली कंपनियां यात्रियों की सुरक्षा के बजाय अपने मुनाफे को ही प्राथमिकता दे रही हैं। विडंबना यह है कि उत्तराखंड में चारधाम यात्रा के दौरान ऐसे हादसे लगातार होते रहे हैं। बल्कि हादसों के बाद कुछ समय के लिये हेलीकप्टर सेवाओं को रोका भी गया था। लेकिन फिर 'वही ढाक के तीन पात' वाली कहावत चरितार्थ हो रही है। दरअसल, पिछले कुछ वर्षों में इस हिमालयी राज्य में हेलीकाप्टर हादसे और इमरजेंसी की स्थिति में हेलीकप्टर उतारने की कई घटनाएं सामने आई हैं। जिसके चलते निजी कंपनियों द्वारा हवाई सेवा के परिचालन के तौर-तरीकों और तीर्थ यात्रियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े होते रहे हैं। उल्लेखनीय है कि इस बाबत गत वर्ष जुलाई में संसद में नागरिक उड्डयन मंत्रालय की तरफ से आधिकारिक जानकारी संसद को दी गई थी। जिसमें बताया गया कि साल २०२० के बाद देश में बारह हेलीकप्टर दुर्घटनाएं हुई थी। दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि इनमें से सात दुर्घटनाएं सिर्फ उत्तराखंड में हुई थीं। इन हादसों में जिन तीस लोगों की मृत्यु हुई, उनमें से इक्कीस सिर्फ उत्तराखंड में हुए हादसों में मारे गए। जिससे उत्तराखंड में चारधाम यात्रा में हवाई सेवा देने वाली कंपनी की सुरक्षा नीति और विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल उठने स्वाभाविक ही हैं। इन हादसों के बाद हुए व्यापक विरोध के चलते कुछ समय हेलीकप्टर सेवा का परिचालन स्थगित भी किया गया था।यहां सवाल उठना स्वाभाविक है कि इन हादसों के बाद भी नियामक संस्थाएं तीर्थयात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिये हेलीकप्टर सेवा उपलब्ध कराने वाली कंपनी की जवाबदेही क्यों तय नहीं कर रही हैं? सवाल यह भी है कि तीर्थ यात्रियों का जीवन खतरे में डालने वाली कंपनी के मालिक व अधिकारियों को क्या कभी जवाबदेह ठहराया गया? क्या कंपनी पर कभी जुर्माना लगाया गया? बीच में सेवा को स्थगित किया था,तो क्या इस सेवा को फिर से शुरू करने के लिये सुरक्षा मानकों पर कंपनी खरी उतरी थी? यदि खरी उतरी थी तो यह नया हादसा कैसे हुआ? जाहिर है, इस हेलीकप्टर सेवा के दौरान सिर्फ कंपनी के मुनाफे को प्राथमिकता दी जा रही है। यह सर्वविदित है कि बद्रीनाथ व केदारनाथ आदि तीर्थ बेहद ऊंचाई पर स्थित हैं। जहां लगातार मौसम अचानक बदलता रहता है। मौसम खराब होने पर हवाई यात्रा जोखिमभरी होती है। जिसके चलते बदलते मौसम को लेकर भी सतर्कता बरतनी बेहद जरूरी है। वहीं दूसरी ओर तीर्थयात्रियों का हादसे का शिकार होना, श्रद्धालुओं की आस्था व विश्वास को भी प्रभावित करता है। उनके मन में कई तरह के संशय पैदा करता है। यह विडंबना है कि इस हिमालयी राज्य में धार्मिक पर्यटन में वृद्धि और हेलीकप्टर से श्रद्धालुओं की आवाजाही बढ़ने के बावजूद सुरक्षा के मानकों के प्रति सरकार ने गंभीरता नहीं दिखायी। यदि शुरुआती हादसों के बाद कंपनी का लाइसेंस स्थगित करके जवाबदेही तय की जाती तो शायद फिर इन दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं होती। फिर सुरक्षित सफर के लिये हेलीकप्टर सेवा उपलब्ध कराने वाली कंपनी आवश्यक सावधानी का अनिवार्य रूप से पालन करती। यह निर्विवाद तथ्य है कि सुविधाओं के विस्तार के साथ इस संवेदनशील इलाके में सुरक्षा सबसे पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। मौसम के तेवर में बदलाव और मामूली तकनीकी त्रुटि तीर्थयात्रियों के लिये जानलेवा ही साबित होती है। यह विडंबना ही कि सरकारें तीर्थस्थलों व पर्यटन स्थलों पर यात्रियों को लुभाने के लिये तमाम तरह के सब्जबाग तो दिखाती हैं लेकिन जोखिम मुक्त यात्रा सुनिश्चित करने को लेकर प्रतिबद्धता नजर नहीं आती।

कुदरती उफान पर भारी नेताओं के तूफान

असली संकट यह है कि प्रकृति के तूफानों का अनुमान लगाया जा सकता है, नेताओं के तूफानों का नहीं। प्रकृति का तूफान गुजर जाता है, नेता का तूफान फिर लौट आता है। तूफानों के नाम रखने की परंपरा बड़ी दिलचस्प है। मौसम विभाग तूफानों को पहचानने के लिए नाम देता है। अब तक नाम बड़े मासूम हुआ करते थे। कभी बिपरजॉय, कभी दाना, कभी रेमल। नाम सुनकर लगता था कि तूफान नहीं, किसी कवि का नाम है। लेकिन अब वक्त आ गया है कि इस परंपरा में सुधार किया जाए।

तबाही मचाने वाले तूफानों के नाम उन्हीं लोगों पर रखे जाने चाहिए, जो तबाही मचाने के लिए जगत-प्रसिद्ध हैं। वैसे हाल के तूफान का नाम अर्नब रखा गया। ट्रंप के नाम पर भी तूफान हो सकता था। ट्रंप तूफान जब आता है, तो टैरिफ, धमकी और उलटबांसियां साथ लाता है। सुबह दोस्ती, दोपहर में टैक्स, शाम को माफी का संकेत और रात को फिर टैक्स। मौसम विभाग को समझना चाहिए कि कुछ तूफान बादलों से नहीं, बयानों से पैदा होते हैं और उनका पूर्वानुमान सिर्फ उतना सटीक होता है, जितना कल का बयान आज के बयान से मेल खाए। पाकिस्तान के आतंकियों के नाम पर भी तूफानों के नाम होने चाहिए। मसूद, हाफिज सईद जैसे नाम तूफानों के रखे जाएं। दुष्ट दाऊद, आतंकी असीम जैसे नाम रखे जाने का वक्त आ गया है अब। वैसे, पाकिस्तान को देख लीजिए। पाकिस्तान की हिम्मत हूतियों से लड़ने की नहीं हो रही। पर लड़ने की रकम पाकिस्तान पहले ही सऊदी अरब से वसूल चुका है, लेकिन अब लड़ने की हिम्मत नहीं हो रही। हूती सऊदी अरब के लिए मुसीबत बने हुए हैं। पाकिस्तान की हालत उस आदमी जैसी है, जो पूरे मोहल्ले को धमकाता है, लेकिन सामने कोई भारी-भरकम आदमी आ जाए, तो अचानक मोबाइल देखने लगता है। भारत के खिलाफ बयानबाजी में उसकी ऊर्जा कभी कम नहीं पड़ती, लेकिन हूतियों के सामने रणनीतिक बहादुरी को आराम की जरूरत पड़ जाती है। बांग्लादेश की राजनीति भी कम रोचक नहीं है। भारत से लड़ना भी है और भारत से रियायतें भी मांगनी हैं। यह वैसा है, जैसे कोई दुकानदार से झगड़ा करे कि तुम्हारा सामान घटिया है और फिर उसी से उधार भी मांग ले। नाराजगी दिखानी है, पर बिजली, व्यापार और संपर्क भी चालू रखना है। यानी दुश्मनी भी चाहिए और डिस्काउंट भी। अंतरराष्ट्रीय राजनीति का यह नया बिजनेस मॉडल है। पहले आंखें दिखाओ, फिर कटोरा बढ़ाओ। रियायत मिल जाए तो कूटनीतिक विजय, न मिले तो राष्ट्रीय स्वाभिमान का मुद्दा! अब मौसम विभाग को नाम तय करने के लिए अंतरराष्ट्रीय राजनीति के विशेषज्ञ रखने चाहिए। सूची तैयार रखी जाएरू ट्रंप, पुतिन, किम और दूसरे बड़े नाम। पुतिन तूफान में बर्फ भी गिरती है और बातचीत भी जम जाती है। किम तूफान का रुख रहस्य है। असली संकट यह है कि प्रकृति के तूफानों का अनुमान लगाया जा सकता है, नेताओं के तूफानों का नहीं। प्रकृति का तूफान गुजर जाता है, नेता का तूफान फिर लौट आता है।

फिर भी संघ-भाजपा का राग घुसपैठिया जारी!

मोदीशाही के अंत की शुरूआत हो गयी है। 1 नवंबर की इंडिया ब्लाक समेत तमाम विपक्ष की रामलीला मैदान की विशाल रैली ने, बिगुल बजाकर मोदीशाही के अंत की शुरूआत का ऐलान किया है। देश भर में तेजी से लोगों की जुबान पर चढ़ते श्वोट चोरीश के नारे का मुकाबला करने की कोशिश में, संघ–भाजपा जोड़ी जिस तरह के न सिर्फ भोंथरे बल्कि बाकायदा पिटे हुए हथियारों का सहारा लेने पर मजबूर नजर आती है, वह एक प्रकार से अंत की इस शुरूआत का ही कबूलनामा है। जाहिर है कि लड़ाई में पिटे हुए हथियारों का सहारा लेना, मन से बाजी में हार मान लेने की ही निशानी होता है। घुसपैठियों के न सिर्फ घुस आने बल्कि छा जाने का सरासर झूठा सांप्रदायिक डर फैलाना ही वह पिटा हुआ हथियार है, जिसका मतदाता सूचियों से लेकर चुनाव संचालन तक, समूची चुनाव व्यवस्था में ईमानदारी यानी निष्पक्षता सुनिश्चित किए जाने से जुड़ी मांगों पर केंद्रित जन–आंदोलन के खिलाफ, संघ–भाजपा अपने मुख्य हथियार के तौर पर इस्तेमाल कर रहे हैं। जैसाकि अनुमान लगाना मुश्किल नहीं है, मौजूदा निजाम के चाणक्य कहलाने वाले, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने ही श्वोट चोरीश के खिलाफ जनतंत्र की परवाह करने वाली सभी शक्तियों तथा लोगों के व्यापक अभियान के खिलाफ, श्घुसपैठिया आया, घुसपैठिया आयाश को हथियार बनाने की शुरूआत की थी। इस व्यापक जन–लामबंदी में दरार डालने की कथित चाणक्य नीति आजमाने में ही अपनी सारी चतुराई लगाते हुए, अमित शाह ने छांटकर राहुल गांधी तथा कांग्रेस को निशाना बनाते हुए यह दावा किया था कि, वे घुसपैठियों को बचाने के लिए ही एसआईआर में वोट कटने के वोट चोरी होने का झूठा शोर मचा रहे थे। याद रहे कि इस तरह, एसआईआर के नाम पर करोड़ों की संख्या में, 2024 के आम चुनाव में मतदान करने वाले मतदाताओं के नाम काटे जाने को घुसपैठिया–विरोधी कार्रवाई बताकर सही ठहराने की कोशिश, कोई साधारण राजनीतिक नेता नहीं कर रहा था बल्कि दुनिया के सबसे ज्यादा आबादी वाले देश के गृहमंत्री के पद पर बैठा व्यक्ति कर रहा था। और यह दावा इसके बावजूद किया जा रहा था कि मोदाशाही के बारह साल से ज्यादा में संसद में पूछे गए प्रश्नों से लेकर, सूचना का अधिकार के तहत पूछे गए प्रश्नों तक के जवाब में, खुद गृह मंत्रालय द्वारा आधिकारिक रूप से बार–बार यह माना गया था कि सरकार के पास श्घुसपैठियोंश के संबंध में संख्या आदि की कोई ठोस जानकारी ही नहीं है! वास्तव में एसआईआर से भी पहले, संघ परिवार के सांप्रदायिक प्रचार से संचालित घुसपैठियों की अंधाधुंध खोज का, आम जनता के लिए ऐसा ही तकलीफदेह अभ्यास, असम में हुआ था। इसका नाम था, एनआरसी का अद्यतनकरण। याद रहे कि इस प्रक्रिया को मोदी–शाह की सरकार देश भर में लागू करना चाहती थी। अब चोर दरवाजे एसआईआर के नाम पर, वही खेल खेलने की कोशिश की जा रही है। और असम में एनआरसी का क्या हुआ? बेशक, बांग्लादेश से लगती हुई सीमा वाला राज्य होने के चलते, असम में 1971 में बांग्लादेश की स्थापना के दौर की उथल–पुथल के दौरान तथा उसके बाद भी, रोजी–रोटी की तलाश में बांग्लादेश से गरीब मजदूरों के आने का सिलसिला चलता रहा था। इसी मुद्दे को लेकर 1980 के दशक में असम में उग्र–बांग्लादेशी–विरोधी आंदोलन भी चला था, जिसका अंत 1985 के असम समझौते पर हुआ था। इसी समझौते के एक प्रावधान के आधार पर और भाजपा व संघ परिवार के अनवरत प्रचार के दबाव में तथा सुप्रीम कोर्ट के अनुमोदन से, भाजपा के राज में असम में एनआरसी कराया गया। हजारों करोड़ रुपए फूंक कर और सैकड़ों जानें कुर्बान करने तथा समूची जनता तथा खासतौर पर गरीब, अशिक्षित, सामाजिक रूप से कमजोर लोगों



तथा महिलाओं को बेशुमार तकलीफों से गुजारने के बाद, एसआईआर की ही तरह नागरिकता–जांच की इस प्रक्रिया के अंत में, करीब 20 लाख असमवासियों की नागरिकता को श्संदिग्धश करार दिया गया था। लेकिन, अंत में जब यह सच सामने आया कि संघ के प्रचार और उसकी अपेक्षाओं के विपरीत, इस प्रक्रिया में अपनी नागरिकता साबित न कर पाने वालों में दो–तिहाई हिंदू ही थे, जबकि मुसलमान एक–तिहाई से भी कम थे, तो संघ परिवार को पल्टी मारने में देर नहीं लगी और भाजपा की राज्य सरकार ने सिर्फ एनआरसी को नामंजूर ही नहीं किया बल्कि एनआरसी कराने वाले उच्चाधिकारियों को तरह–तरह के मुकद्दमों में भी फंसा दिया। और इस तरह, यह पूरी कसरत सिर्फ इसलिए जनता के लिए अकारण मुसीबत बनकर रह गयी कि उसके नतीजे, घुसपैठियों के खतरे के संघ परिवारी प्रचार से मेल नहीं खाते थे। काफी हद तक ऐसा ही किस्सा, एसआईआर का रहा है, जिसके पीछे भी श्घुसपैठियों के खतरेश के बेतहाशा अतिरंजित संघ–भाजपायी प्रचार से बनी धारणाएं ही थीं।

यह कोई संयोग ही नहीं है कि बिहार से 2025 के जून में जब एसआईआर की प्रक्रिया की शुरूआत हुई थी, तभी से न सिर्फ भाजपा की केंद्र व राज्य सरकारों द्वारा और संघ कुनबे द्वारा नागरिकता जांच की ओर इशारा करने वाली इस प्रक्रिया की समूची डिजाइन की, विपक्ष की आलोचनाओं के सामने, यह कहकर हिमायत की जा रही थी कि यह मतदाता सूचियों को घुसपैठियों से शुद्घ करने के लिए जरूरी था बल्कि खुद चुनाव आयोग ने भी बाकायदा अपनी विज्ञप्ति में मतदाता सूचियों में श्विदेशी अवैध प्रवासियों के नामों की मौजूदगीश को, इस अभूतपूर्व कसरत का एक प्रमुख कारण बताया गया था। हैरानी की बात नहीं है कि जब बिहार में एसआईआर की प्रक्रिया पूरी हुई, मीडिया और विपक्ष के भी बार–बार पूछने के बावजूद, चुनाव आयोग ने इस सरल से सवाल का जवाब देने से इंकार कर दिया कि जिन एक करोड़ से कुछ कम लोगों के नाम इस प्रक्रिया में मतदाता सूचियों से काटे गए थे, उनमें से कितने नाम विदेशी नागरिक होने के आधार पर काटे गए थे! वजह बहुत सरल थी। छरू करोड़ से ज्यादा मतदाताओं में ऐसे लोगों की संख्या 600 भी नहीं थी। उनमें भी नेपाली महिलाओं की संख्या ही ज्यादा थी, जिनका ससुराल बिहार में है। मुसलमानों की संख्या, पांचवां हिस्सा भी नहीं थी, जबकि संघ परिवार के आख्यान में तो श्घुसपैठियाश और मुसलमान समानार्थी ही हैं। यह दिलचस्प है कि उसके बाद से चुनाव आयोग ने तो एसआईआर प्रक्रिया के दौरान एक बार भी यह बताना गवारा नहीं किया है कि इस प्रक्रिया में कितने श्घुसपैठिएश पकड़े गए हैं, लेकिन संघ परिवार के इसी बहाने से मतदाता सूचियों की चुनाव आयोग द्वारा सत्ताधारी पार्टी के अनुकूल काट–छांट की हिमायत करने में, कोई कमी नहीं आयी है। अमित शाह, वोट चोरी के आरोपों के सामने, इसी सिलसिले को आगे बढ़ा रहे थे। यह भी याद रहे कि अमित शाह द्वारा उक्त दावा इसके बावजूद किया जा रहा था कि तब तक, अब भी अधूरी एसआईआर की प्रक्रिया में, 2024 की मतदाता सूचियों में से 13 करोड़ 30 लाख से ज्यादा मतदाताओं के बाहर कर दिए जाने की जानकारी देश के सामने आ चुकी थी। याद रहे कि जिस बांग्लादेश को भारत में घुसपैठ का मुख्य स्रोत माना जाता है, उसकी आबादी कुल पौने अठारह करोड़ है। बहरहाल, एसआईआर के घुसपैठियों के खतरे के संघ परिवारी प्रचार का जोरदार खंडन ही बन जाने का किस्सा इतने पर ही खत्म नहीं हो जाता है। मीडिया में आयी खोजी रिपोर्टों के अनुसार, ऐसे छरू राज्यों में जहां एसआईआर की प्रक्रिया पूरी हो गयी है, 9 करोड़ 96 लाख मतदाताओं में से, कुल 1600 विदेशी पाए गए हैं। इनमें बांग्लादेशी तो छोड़ ही दें, मुसलमानों की भी संख्या उल्लेखनीय नहीं है। कर्नाटक में, 99 लाख 70 हजार मतदाताओं के नाम काटे गए हैं, जिनमें कुल 716 विदेशी हैं और इनमें भी 545 नेपाली ही हैं। साफ है कि एसआईआर ने अंततरू चूंकि एक प्रकार की गिनती है, उसने अगर भाजपा के मनमाफिक मतदाता सूचियां बनाने का काम किया है, तो दूसरी तरफ उसने अनजाने ही श्घुसपैठियों के खतरेश के गुब्बारे में पिन चुभोने का भी काम किया है। फिर भी इस घुसपैठिया गुब्बारे को पूरी तरह से फाड़ने के साथ ही, संघ परिवार के एसआईआर के बचाव को भी ध्वस्त करने का श्रेय, हिंदुत्ववादी सांप्रदायिक राजनीति के फायरब्रांड प्रतिनिधि, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री, योगी आदित्यनाथ ने। योगी ने भाजपा की प्रदेश कार्यकारिणी में अपने संबोधन में पार्टी नेतृत्व को आगाह किया कि एसआईआर की प्रक्रिया में राज्य में 1 करोड़ 27 लाख हिंदुओं के (दूसरे शब्दों में भाजपा के अपने) वोट काट दिए गए हैं। उन्होंने अपनी पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं से भाजपा के श्कमल एपश की मदद से, ये वोट वापस जुड़वाने का आह्वाहन किया, जो अन्य चीजों के अलावा भाजपा–शासित राज्यों में एसआईआर की प्रक्रिया के एक स्वांग ही बनाकर छोड़ दिए जाने को भी दिखाता है। लेकिन, सबसे बढ़कर यह प्रकरण यही दिखाता है कि नागरिकता जांच की अपनी सारी कसरत के जरिए भाजपा के मनमाफिक टार्गेटिंग की अपनी सारी कोशिशों के बावजूद, एसआईआर की प्रक्रिया भी किसी उल्लेखनीय संख्या में घुसपैठियों को खोजने में नाकाम रही है ।

भोजन और भविष्य-किधर जा रहा भारत?

मृगांक एम. भौमिक

मौजूदा राजनीतिक अशांति, अगर इसे ऐसा कहा जाए, तो यह युवाओं और मध्यम व निम्न–मध्यम वर्ग के एक बड़े हिस्से के मन में भविष्य को लेकर छाई निराशा को दर्शाती है। भारत में बड़ी संख्या में लोगों, खासकर युवाओं को यह एहसास हो गया है कि उनके कौशल का अर्थव्यवस्था में कोई खास उपयोग नहीं है। दुनिया पहले ही ऑटोमेशन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की दिशा में आगे बढ़ चुकी है, जहां वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन ही मुख्य आधार है। जीडीपी के उत्पादन में मानवीय श्रम धीरे–धीरे अप्रासंगिक होता जा रहा है, क्योंकि यहां का अधिकांश श्रम बल या तो अकुशल है या फिर अर्ध–कुशल। इतनी विशाल आबादी को 2050 तक ले जाना और साथ ही राजनीतिक व सामाजिक एकजुटता बनाए रखना, एक बेहद कठिन चुनौती है। आने वाला समय उतना अच्छा नहीं है, जितना कि सोशल मीडिया रीलों और सरकारी विज्ञापनों में दिखाया जाता है। भारत के सामने एक वास्तविक चुनौती खड़ी हो रही है, चाहे सत्ता में कोई भी पार्टी हो या रहे।

पिछले दो दशकों में भारत सहित पूरी दुनिया में वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन बढ़ा है और संपत्ति भी पैदा हुई है, लेकिन अफसोस कि इसका लाभ बड़े पैमाने पर लोगों तक नहीं पहुंचा है। ऐसा इसलिए है क्योंकि व्यापार और वाणिज्य में मूल्य सृजन के लिए अब इंसानों की जरूरत नहीं रह गई है। आप इसे राजनीतिक रूप से श्बिना नौकरियों वाला विकासश कहकर आलोचना कर सकते हैं, लेकिन असल में यह मानवीय श्रम पर तकनीक का इतना हावी हो जाना है, जिसने यह खालीपन पैदा कर दिया है। सरकार के पास अब कल्याणकारी योजनाओं के जरिए इतनी बड़ी आबादी का पेट भरने के अलावा कोई और विकल्प नहीं बचा है वरना, एक बड़ा मानवीय संकट खड़ा हो सकता था। अब तक, भारत के लिए यह एक सुनहरा दौर था, जब जीडीपी को बेहतर बनाने के लिए तकनीक के साथ–साथ बड़ी संख्या में श्रम शक्ति (लेबर फोर्स) की जरूरत थी– चाहे वह सॉफ्टवेयर, वित्तीय सेवाएं हों या औद्योगिक उत्पादन।

अब नई तकनीक खुद को इस तरह विकसित कर रही है कि वह आर्थिक गतिविधियों में इंसानी भूमिका (जो एक अहम हिस्सा थी) की जगह ले सके, जिससे संतुलन बिगड़ गया है। ऐसे में, ऐसा लगता है कि इंसानी श्रम की–चाहे वह उच्च–मूल्य वाला हो या निम्न–मूल्य वाला–अब कोई खास मांग नहीं रह गई है। हम यह समझने की कोशिश कर सकते हैं कि चीन ने अपनी बढ़ती आबादी के बीच नौकरियों के सृजन और नीतियों को कैसे संभाला। चीन ने पिछले 50 वर्षों में अपने मानव संसाधनों का उपयोग करके और कृषि से लेकर उद्योग तक सही आर्थिक नीतियां लागू करके भारी संपत्ति का निर्माण किया। उनकी सबसे बड़ी सफलता कृषि क्षेत्र के



मजदूरों को कम उत्पादकता वाले कामों से निकालकर, अधिक मूल्य पैदा करने वाले औद्योगिक कार्यों में लगाना रहा। लेकिन ऐसा किसी एक नीतिगत फैसले से नहीं हुआ। बल्कि यह चीन द्वारा लिए गए कई रणनीतिक नीतिगत फैसलों का नतीजा था। चीन ने 1978 में कृषि उदारीकरण के साथ अपने बड़े नीतिगत बदलाव की शुरुआत की। इसके बाद, देश ने एक क्रम में ग्रामीण उद्योगों का विकास किया, फिर निर्यात–आधारित विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) की ओर कदम बढ़ाया, निर्यात क्षेत्र (एक्सपोर्ट जोन) बनाए, और अंत में विदेशी निवेश को आकर्षित किया। कृषि क्षेत्र से मुक्त होने वाली श्रम शक्ति को उसी गति से अधिक उत्पादकता वाले, निर्यात–आधारित औद्योगिक कार्यों में खपा लिया गया। भारी पूंजी वाले उद्योगों के बजाय, चीन ने शुरुआत में उन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया जहां उसकी विशाल श्रम शक्ति एक बड़ा फायदा साबित हो सकती थी। एफडीआई और निर्यात अपने साथ तकनीक, प्रबंधन और चीन के अपने उपभोक्ताओं से कहीं बड़ा बाजार लेकर आए। सस्ते लॉजिस्टिक्स, ऊर्जा और सप्लायर नेटवर्क ने लागत को कम कर दिया, जिससे कारखाने की हर एक नौकरी के साथ–साथ उससे जुड़े अन्य क्षेत्रों में भी कई और नौकरियां पैदा हुईं। अनुकूल आयु संरचना की बदौलत उच्च निवेश और बचत संभव हो पाई, जिसने इस विस्तार के लिए जरूरी फंड मुहैया कराया। श्हुकोउश प्रणाली ने शहरों और नियोक्ताओं के लिए प्रवासियों से जुड़े सामाजिक खर्चों को कम रखा, जिससे इनपुट लागत और भी कम हो गई (हालांकि, प्रवासियों को इसके लिए एक मानवीय कीमत चुकानी पड़ी)। अगर आप इसकी तुलना भारत के सफर से करें, तो आप पाएंगे कि उसी दौर में भारत को आकार देने वाले नीतिगत फैसलों में बहुत बड़ा अंतर था। भारत ने कभी भी भूमि सुधारों और उच्च उत्पादकता वाले कृषि उदारीकरण को पूरी तरह से नहीं अपनाया, और आज भी स्थिति वैसी ही है। भारत में बड़ा नीतिगत बदलाव 1991 में उदारीकरण के साथ ही आया।

इस नीति ने औद्योगिक लाइसेंसिंग को खत्म कर दिया और वैश्विक बाजार के लिए व्यापार के दरवाजे खोल दिए। लेकिन जमीन, श्रम और बिजली के क्षेत्रों में सुधार करना मुश्किल बना रहा। इसी सख्ती के कारण, चीन के विपरीत, भारत की औद्योगिक कहानी उस बड़े पैमाने पर आगे नहीं बढ़ पाई। आज भारत एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है जहां उसे एक ऐसी विकास रणनीति की जरूरत है, जो उसकी 140 करोड़ से अधिक की आबादी को उत्पादक रोजगार दे सके। इसे इस सदी की सबसे बड़ी चुनौती कहा जा सकता है। इस चुनौती की जड़ यह है कि आज भी 45–46प्रतिशत आबादी कृषि कार्यों में लगी हुई है। यह क्षेत्र भारत की जीडीपी में 16–18प्रतिशत का योगदान देता है, जो कि वैश्विक जीडीपी के हिसाब से केवल 0.5–0.6प्रतिशत है। अब समय आ गया है कि कृषि में प्रति व्यक्ति उत्पादकता बढ़ाने के लिए हाई–टेक कृषि उत्पादन और खाद्य प्रसंस्करण (फूड प्रोसेसिंग) को मजबूती दी जाए। एआई, रोबोटिक्स और ऑटोमेशन के इस दौर में, देश को अपने श्रम संसाधनों को बचाने के लिए कपड़ों, जूतों और इलेक्ट्रॉनिक असेंबली जैसे श्रम–प्रधान विनिर्माण क्षेत्रों में कदम रखना चाहिए। निजी कंपनियां अपने प्रोमोटरों के लिए तो काफी संपत्ति बना सकती हैं, लेकिन वे बड़े पैमाने पर श्रम शक्ति को रोजगार देने में सक्षम नहीं होंगी। आने वाले 20 वर्षों में मानवीय संकट से बचने के लिए, सरकार को अपने जन–कल्याण मॉडल पर फिर से विचार करना होगा और श्रम–प्रधान विनिर्माण क्षेत्रों में निवेश करना होगा। भारत की स्थिति अलग है, इसलिए इसका समाधान भी चीन से अलग होगा।

स्कूलों को सुरक्षित बनाना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी

राजीव तिवारी

जरूरी है कि राज्य के सभी सरकारी और निजी विद्यालयों का नियमित बाल–सुरक्षा ऑडिट हो। प्रारंभिक कक्षाओं में पर्याप्त सहायक कर्मचारी तैनात किए जाएं। प्रत्येक विद्यालय में प्रशिक्षित काउंसलर अथवा विशेषज्ञों से परामर्श की व्यवस्था हो। विद्यालय को बच्चे का दूसरा घर कहा जाता है। माता–पिता जिस विश्वास के साथ अपने बच्चों को स्कूल भेजते हैं उसकी बुनियाद इस भरोसे पर होती है कि वहां उनका बच्चा सुरक्षित रहेगा। लेकिन जब विद्यालय परिसर में ही किसी बच्चे की जान पर बन आए, तो यह केवल एक आपराधिक घटना नहीं, बल्कि हमारी शिक्षा व्यवस्था, संस्थागत जवाबदेही और सामाजिक चेतना की परीक्षा बन जाती है। पंचकूला के सेक्टर–20 स्थित विद्यालय में बीते दिन हुई घटना ने पूरे समाज को झकझोर दिया। तीसरी कक्षा के आठ वर्षीय छात्र ने केजी में पढ़ने वाली छह वर्षीय बच्ची पर कथित रूप से ईंट और अन्य वस्तुओं से हमला किया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। वहीं, हरियाणा मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष द्वारा किए गए विद्यालय परिसर के निरीक्षण में कई प्रश्न सामने आए। इन प्रश्नों के उत्तर निष्पक्ष जांच के बाद ही सामने आने चाहिए। वहीं, शिक्षा विभाग ने संबंधित शिक्षकों और प्रधानाचार्य को निलंबित कर दिया है तथा जांच समिति गठित की गई है। पुलिस ने भी कथित लापरवाही के संबंध में मामला दर्ज किया है।

इस घटना में पीड़ित बच्ची के साथ–साथ कथित रूप से हमला करने वाला आठ वर्षीय छात्र भी कानून की दृष्टि में बच्चा है। भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 20 सात वर्ष से कम आयु के बच्चे के आपराधिक कृत्य को संवेदनशील ढंग से देखती है, जबकि धारा 21 के अनुसार, सात से बारह वर्ष के बच्चे के मामले में यह देखना आवश्यक है कि उसे अपने कृत्य की प्रकृति और परिणाम समझने की पर्याप्त परिपक्वता थी या नहीं। किशोर न्याय अधिनियम, 2015 का मूल उद्देश्य दंड के बजाय सुधार और पुनर्वास है। अतः बच्चे का मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन, पारिवारिक वातावरण की पड़ताल और उचित परामर्श आवश्यक हैं। यदि उसके व्यवहार को लेकर पहले शिकायतें थीं, तो यह भी जांचना होगा कि समय रहते उसे सहायता क्यों नहीं मिली। शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 की धारा 17 शारीरिक दंड और मानसिक उत्पीड़न पर रोक लगाती है, जबकि धारा 24 शिक्षकों के कर्तव्यों को निर्धारित करती है। प्रधानाचार्य की जिम्मेदारी है कि विद्यालय में प्रभावी निगरानी, ड्यूटी रोस्टर, अनुशासन और आपातकालीन सहायता की व्यवस्था हो। शिक्षकों का दायित्व केवल पाठ्यक्रम पूरा कराना नहीं, बल्कि बच्चों के व्यवहार में असामान्य बदलाव और संभावित जोखिम के संकेतों को पहचानना भी है। बच्चे का व्यक्तित्व केवल विद्यालय में नहीं बनता। परिवार उसकी पहली पाठशाला है। इस घटना के संदर्भ में बच्चे के ऑनलाइन गेम खेलने और उससे प्रभावित होने की बात भी सामने आई है। हालांकि, किसी गेम को घटना का प्रत्यक्ष कारण मान लेना उचित नहीं होगा। इसके लिए विशेषज्ञों द्वारा मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन आवश्यक है। फिर भी यह पहलू हमें बच्चों के डिजिटल जीवन और स्क्रीन पर उपलब्ध सामग्री के प्रभाव पर गंभीरता से विचार करने के लिए मजबूर करता है। दूसरी ओर, शहरों में बच्चों के खेलने के लिए सुरक्षित मैदान और खुले स्थान लगातार कम होते जा रहे हैं। खेल के मैदानों की कमी बच्चों को घरों के भीतर और मोबाइल स्क्रीन तक सीमित कर रही है। खेल केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि अनुशासन, धैर्य, टीम भावना, हार–जीत स्वीकार करने और गुस्से पर नियंत्रण रखने की शिक्षा भी देते हैं। सरकार, नगर निकायों, आरडब्ल्यूए और विद्यालयों को बच्चों के लिए सुरक्षित खेल मैदान और रचनात्मक गतिविधियों के अवसर उपलब्ध कराने चाहिए। माता–पिता को भी बच्चों के साथ समय बिताना चाहिए तथा उन्हें आउटडोर खेल, पुस्तकें, संगीत और सामाजिक गतिविधियों से जोड़ना चाहिए। मीडिया ने इस घटना के माध्यम से विद्यालयों की सुरक्षा व्यवस्था और प्रशासनिक जवाबदेही पर सवाल उठाए हैं। लेकिन सीसीटीवी फुटेज का बार–बार प्रसारण और सोशल मीडिया पर उसे वायरल करना बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य और निजता के लिए नुकसानदेह है। किशोर न्याय अधिनियम की धारा 74 किसी बच्चे की पहचान उजागर करने वाले विवरण और तस्वीरों के प्रकाशन पर प्रतिबंध लगाती है। यह संरक्षण पीड़ित और कानून के उल्लंघन के आरोप का सामना कर रहे, दोनों बच्चों के लिए महत्वपूर्ण है। इस घटना से सबक लेने की भी आवश्यकता है। राज्य के सभी सरकारी और निजी विद्यालयों का नियमित बाल–सुरक्षा ऑडिट हो। प्रारंभिक कक्षाओं में पर्याप्त सहायक कर्मचारी तैनात किए जाएं। प्रत्येक विद्यालय में प्रशिक्षित काउंसलर अथवा विशेषज्ञों से परामर्श की व्यवस्था हो। सीसीटीवी कैमरों की नियमित निगरानी हो। बच्चों में आक्रामक व्यवहार, तनाव और हिंसक प्रवृत्तियों के शुरुआती संकेतों की पहचान कर समय रहते सहायता दी जाए।

दीपावली पर मिलावटखोरी के खिलाफ खाद्य विभाग ने किया कार्यवाही

शुद्ध ही शुभ है अभियान के तहत विभिन्न बाजारों में खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच, 08 नमूने लिए।

संवाददाता

प्रतापगढ़। दीपावली पर्व के मद्देनजर आमजन को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य एवं पेय पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा जनपद में 'शुद्ध ही शुभ है' अभियान के तहत खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच का अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान विभिन्न बाजारों में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच करते हुए कुल 08 खाद्य पदार्थों के नमूने संग्रहित किए गए।



आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन उत्तर प्रदेश लखनऊ के निर्देश के क्रम में सहायक आयुक्त (खाद्य)–।। अभय कुमार सिंह के निर्देशन एवं मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी दीपक कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में खाद्य सचल दल ने जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। टीम ने खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अनुरूप न होने की आशंका वाले खाद्य पदार्थों के नमूने लिए।

बताते चलें अभियान के दौरान कुण्डा क्षेत्र के डेरवा स्थित मौर्या मटर पनीर केन्द्र से पनीर, हीरागंज स्थित शिवशक्ति मिष्ठान से कलाकन्द तथा मानिकपुर स्थित श्री मिष्ठान भण्डार से बेसन लड्डू का नमूना लिया गया। इसी प्रकार गड़वारा स्थित शिव स्वीट्स से पेड़ा का नमूना संग्रहित किया गया। इसके अतिरिक्त पट्टी क्षेत्र के विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों से बेसन एवं पेड़ा के एक–एक नमूने तथा बेसन का एक अन्य नमूना लिया गया। वहीं मान्धाता क्षेत्र स्थित एक खाद्य प्रतिष्ठान से दूध का नमूना संग्रहित किया गया। इस प्रकार खाद्य सचल दल द्वारा 08 आठ नमूने संग्रहित किए गए, जिन्हें विश्लेषण के लिए खाद्य विश्लेषक प्रयोगशाला भेजा जा रहा है। प्रयोगशाला से जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद नियमानुसार अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।

खाद्य विभाग द्वारा दीपावली पर्व को देखते हुए खोया, पनीर, दूध, घी, मिठाई, नमकीन, ड्राई फ्रूट, खाद्य तेल, वनस्पति तथा रंगीन मीठे खाद्य पदार्थों के भंडारण एवं बिक्री की लगातार निगरानी की जा रही है। विभाग का उद्देश्य मिलावटी एवं असुरक्षित खाद्य पदार्थों की बिक्री पर प्रभावी अंकुश लगाते हुए उपभोक्ताओं को सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराना है। कार्यवाही के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी रोशन सिंह, संतोष कुमार दूबे, यादव संजय कुमार नन्हकू, शहाब उद्दीन सिद्दीकी एवं डॉ. शमशुन नेहा मौजूद रहे।

आरसी वसूली में तेजी लाएं, मासिक लक्ष्य तय कर करें कार्रवाई : डीएम

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

देवरिया। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने कलेक्ट्रेट में कर–करेत्तर, राजस्व वसूली और राजस्व वादों की समीक्षा की। अधिकारियों को मासिक लक्ष्य तय कर रणनीतिक कार्ययोजना से वसूली पूरी करने के निर्देश दिए, लापरवाही पर कार्रवाई की चेतावनी दी।



व्यापार कर और परिवहन विभाग की खराब प्रगति पर वेतन रोकने के निर्देश, वाणिज्य कर की आरसी वसूली पर एसडीएम को समीक्षा करने को कहा। 13 तारीख को दोबारा समीक्षा होगी। पीएम स्वनिधि, 10 बड़े बकायादारों से वसूली और लंबित विभागीय कार्रवाई तेज करने को कहा। राजस्व वादों में धारा 24, 34, 116, 67, 229, नामांतरण आदि के 1 से 3 साल पुराने वादों का प्राथमिकता से निस्तारण, समय से कोर्ट बैठने के निर्देश। जल निगम के लिए भूमि चिह्नित करने, तालाब–पट्टा नीलामी, रोवर सिस्टम से हर तहसील को 25 पैमाइश का लक्ष्य, कृषक दुर्घटना और बारिश से फसल क्षति मुआवजा शीघ्र देने के निर्देश दिए। बैठक में एडीएम प्रशासन प्रेम नारायण सिंह, एडीएम वित्त पंकज प्रकाश राठौर सहित सभी अधिकारी मौजूद रहे।

कठिन समय में भगवान के प्रति विश्वास बनाए रखना सच्ची भक्ति- साध्वी कनक

सिलौंधी में हो रही भागवत कथा में नारी शक्ति की महिमा का वर्णन सुन श्रद्धालु हुए मंत्रमुग्ध।

संवाददाता

प्रतापगढ़। सिलौधी के बादशाहपुर गांव में हो रही श्रीमदभागवत कथा में मंगलवार को कथावाचिका ने सनातन धर्म में नारी शक्ति की महिमा का अनुपम बखान किया। नैमिषारण्य से पधारीं साध्वी कनक पाण्डेय ने कहा कि अहिल्या तथा द्रोपदी, कुन्ती, तारा का चरित्र धर्म की रक्षा के लिए त्याग और धैर्य व अन्याय से संघर्ष का असाधारण प्रेरणा है। उन्होने कहा कि द्रोपदी ने अनेक कष्ट उठाने के बावजूद अपमान के सामने न झुकने की नारी जगत को प्रेरणा दी है। वहीं तारा बुद्धिमत्ता व दूरदर्शिता की मिसाल हैं।



इस दौरान साध्वी कनक पाण्डेय ने कहा कि भगवान की भक्ति की पूर्णता में कभी भी जीवन में अहंकार, भय, आशक्ति, अधैर्य व फल की लालसा को जगह नहीं मिला करती है। उन्होने कहा कि मनुष्य को कठिन समय में भगवान की ओर से आत्मशुद्धि का अवसर मिला करता है। उन्होनें कहा कि सुख में श्रद्धा आसान है। वहीं संकट के समय श्रद्धा की गहराई का पता चला करता है। उन्होने कहा कि हर परिस्थिति में भगवान के प्रति विश्वास बनाये रखना ही सच्ची आराधना है। कथा के दौरान सुमधुर भक्ति संगीत के भजनों पर भी श्रद्धालु मगन दिखे। संयोजक समाज सेवी जगदीश नारायण मिश्र तथा सुशीला मिश्रा ने व्यासपीठ का पूजन अर्चन किया।

कथा में अवधेश प्रपन्नाचार्य एवं योगेश्वराचार्य को भी आयोजन समिति द्वारा सम्मानित किया गया। इस मौके पर सांसद प्रमोद तिवारी के प्रतिनिधि भगवती प्रसाद तिवारी, मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल, अनिल महेश, धर्मेन्द्र तिवारी, अंजनी अमोघ, प्रवीण तिवारी, रमाशंकर शुक्ल, श्रीकांत मिश्र, राधेश्याम मिश्र, संजीव मिश्र, सुधीर तिवारी, सुरेश पाण्डेय, शेर बहादुर सिंह, चंद्रप्रकाश सिंह, मौजूद रहे। वहीं आशुतोष मिश्र, आशीष मिश्र, डॉ. एचबी सिंह, गिरीशचंद्र मिश्र, लालता प्रसाद मिश्र, मथुरा प्रसाद मिश्र, छोटेलाल मिश्र व पवन प्रखर आदि को श्रद्धालुओं की सेवा संगत में जुटे देखा गया।

आंगनबाड़ी कार्यकत्री-सहायिका के 397 पदों पर चयन की अनंतिम सूची जारी

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

देवरिया। जनपद में आंगनबाड़ी के रिक्त पदों पर 10 जुलाई 2026 की विज्ञप्ति के सापेक्ष मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में गठित चयन समिति ने शासनादेश 17 सितंबर 2025 के अनुसार चयन पूरा किया।



कल 138 कार्यकत्री और 259 सहायिका, कुल 397 पदों पर अनंतिम चयन सूची तैयार की गई है। बैतालपुर, बनकटा, बरहज, भागलपुर, भलुअनी, भटनी, भाटपाररानी, शहर, देसही देवरिया, गौरी बाजार, लार, पथरदेवा, रामपुर कारखाना, रुद्रपुर, सदर, सलेमपुर और तरकुलवा परियोजनाओं में रिक्तियों के सापेक्ष चयन किया गया। कुछ परियोजनाओं में 1–2 पद रिक्त रह गए। अनंतिम सूची विकास भवन और संबंधित बाल विकास परियोजना कार्यालयों पर चस्पा की गई है। अभ्यर्थी किसी भी कार्यदिवस में सुबह 10 से शाम 5 बजे तक सूची देख सकते हैं।

ऐतिहासिक ददरी मेले की तैयारियां तेज, 9 नवंबर से सजेगा पशु मेला, 24 से मीना बाजार

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

बलिया। महर्षि भृगु की पावन धरती पर आयोजित होने वाले पूर्वांचल के प्रसिद्ध और ऐतिहासिक श्ददरी मेला 2026श की तैयारियां जिला प्रशासन व नगर पालिका परिषद द्वारा युद्धस्तर पर शुरू कर दी गई हैं। शहर के दक्षिणी छोर पर लगभग 89 एकड़ के विशाल भूभाग में सजने वाले इस एक महीने लंबे मेले के लिए बुनियादी ढांचा तैयार किया जा रहा है। नगर पालिका प्रशासन के अनुसार, इस वर्ष मेले को अभूतपूर्व और व्यापारियों व श्रद्धालुओं के लिए बेहद सुविधाजनक बनाया जा रहा है।

ददरी मेले का मुख्य आकर्षण रहने वाला विराट पशु मेला (नंदी ग्राम) आगामी 9 नवंबर से शुरू होने जा रहा है। गौरतलब है कि पिछले वर्ष पशुओं में फैले लंपी वायरस के खतरे के कारण पशु मेले के आयोजन पर रोक लगानी पड़ी थी, जिससे व्यापारियों को काफी निराशा हुई थी। इस बार लंपी वायरस का साया हटने के बाद देश के विभिन्न राज्यों जैसे पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और बिहार से मुर्रा भैंस, उत्तम नस्ल के घोड़े और अन्य मवेशी भारी संख्या में बलिया पहुंचेंगे।

12 से 14 नवंबर तक दुकानों का आवंटन

पशु मेले के संपन्न होने के बाद कार्तिक पूर्णिमा के पावन स्नान के साथ 24 नवंबर से सुप्रसिद्ध मीना बाजार का आगाज होगा, जो 20 दिसंबर तक चलेगा। नगर पालिका ने इस बार दुकानदारों की सहूलियत के लिए पारदर्शी व्यवस्था लागू की है। मीना बाजार की दुकानों के लिए भूमि का आवंटन 12 से 14 नवंबर तक नंदी ग्राम स्थित अस्थायी कार्यालय में श्पहले आओ, पहले पाओश के आधार पर किया जाएगा। इसके लिए पंजीकरण और शुल्क काउंटर अलग–अलग पंक्तियों के अनुसार तय किए गए हैं। इस बार सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए विशेष श्भारतेंदु मंचश को भव्य रूप दिया जा रहा है, जिस पर स्थानीय कलाकारों के साथ–साथ राष्ट्रीय स्तर के कलाकारों के आने की भी संभावना है।

महिलाओं को अधिकारों के प्रति जागरूक किया

सीतापुर,संवाददाता। कसमंडा मंडल में महिलाओं के अधिकारों और सम्मान को लेकर जनसभा और जागरूकता बैठक हुई। सुनीला रावत ने महिलाओं को उनके अधिकारों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अब कोई जनता के अधिकार नहीं छीन पाएगा।

रावत ने कहा कि महिलाओं को अपने हक, सम्मान और न्याय के लिए जागरूक रहना चाहिए। समाज में महिलाओं की भागीदारी और उनकी आवाज को मजबूत करना जरूरी है। बैठक में महिलाओं से एकजुट होकर अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने की अपील की गई। इस दौरान मंडल की महिलाएं और अन्य लोग मौजूद रहे।

डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र के लिए पेंशनरों को किया जागरूक

लोक हस्तक्षेप समाचार ,देवरिया। राष्ट्रीय डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र अभियान के तहत कोषागार में पेंशनर हेल्पडेस्क के माध्यम से पेंशनरों को डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र जमा करने की जानकारी दी गई। वरिष्ठ कोषाधिकारी ने बताया कि पेंशनर https://jeevanpramaan-gov-in पर बैंक खाता, PPO और आधार से, या Play Store से Aadhaar Face RD और Jeevan Pramaan App इंस्टॉल कर फेस ऑथेंटिकेशन से, तथा UMANG App से बायोमेट्रिक सत्यापन कर घर बैठे प्रमाण पत्र जमा कर सकते हैं। PPO न पता हो तो https://koshvani-up-nic-in पर बैंक खाते से प्राप्त किया जा सकता है। प्रमाण पत्र वर्ष में एक बार किसी भी माह जमा किया जा सकता है। अप्रैल–अक्टूबर 2026 तक 665 डिजिटल और 3,120 ऑफलाइन प्रमाण पत्र प्राप्त हुए।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अन्तर्गत 286 जोड़ों का पूरे विधि विधान के साथ भव्य रूप से हुआ सम्पन्न

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह में १६० अनुसूचित वर्ग, पिछड़ा वर्ग के १२०, सामान्य वर्ग के ०३ व ०३ मुस्लिम जोड़े विवाह के बंधन में बंधे।

संवाददाता

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वकांक्षी योजना समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत राजकीय इण्टर कालेज प्रतापगढ़ के ग्राउण्ड में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह के तहत 286 जोड़ों का विवाह पूरे विधि विधान के साथ भव्य रूप से सम्पन्न हुआ।





बताते चलें मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत आयोजित कार्यक्रम में विकास खण्ड कुण्डा, कालाकांकर, लक्ष्मणपुर, संडवा चन्द्रिका एवं मंगरौरा के 160 अनुसूचित वर्ग, पिछड़ा वर्ग के 120, सामान्य वर्ग के 03 व 03 मुस्लिम जोड़े विवाह के बंधन में बंधे। सभी शादियां अपने रीति रिवाज के अनुसार हुई हिंदू धर्म की शादी वेद मंत्रों के उच्चारण के माध्यम से व मुस्लिम शादियां निकाह के माध्यम से संपन्न की गई। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम में विधायक सदर राजेन्द्र कुमार मौर्य, मुख्य विकास अधिकारी डा0 राममोहन मीना, एमएलसी अमरपाल मौर्य के प्रतिनिधि राय साहब सिंह, सांसद प्रतिनिधि बी0एल0 पटेल, ज्वाइन्ट मजिस्ट्रेट अभिषेक सेहरा, जिला विकास अधिकारी आलोक आर्य, जिला समाज कल्याण अधिकारी नागेन्द्र कुमार मौर्य सहित अन्य अतिथियों ने नव दांपत्य जोड़ों को प्रमाण पत्र का वितरण कर आर्शीवाद दिया।

इस अवसर पर विधायक सदर राजेन्द्र कुमार मौर्य ने सभी जोड़ो को बधाई देते हुये समाज कल्याण विभाग द्वारा किये गये भव्य सामूहिक विवाह कार्यक्रम की प्रशंसा की और कहा कि प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत गरीब परिवार की बेटियों को परिणय सूत्र में बांधने का कार्य कर रही है। उन्होने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री जी का सपना है कि कोई पिता अपने पुत्री की शादी करने से वंचित नहीं रहना चाहिए इसलिए मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना चलाई गई है। यह योजना गरीब, असहाय एवं निर्धन व्यक्तियों के पुत्रियों के जीवन में खुशहाली लाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रही है। इस अवसर पर जिला समाज कल्याण अधिकारी नागेन्द्र कुमार मौर्य ने आये हुये अतिथियों का स्वागत किया और कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अन्तर्गत एक जोड़े पर सरकार द्वारा 1 लाख रूपये की धनराशि खर्च की जाती है जिसमें 64 हजार रूपये लड़की के खाते में, 21 हजार की सामग्री व 15 हजार रुपए की धनराशि से विवाह कार्यक्रम के आयोजन पर व्यय किए जाते हैं।

इस अवसर पर कार्यक्रम में नामित जनपद स्तरीय अधिकारीध्खण्ड विकास अधिकारी, समाज कल्याण विभाग से मुन्नीलाल राणा, मनोज कुमार व अन्य सम्बन्धित उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सामूहिक रूप से डा0 मो0 अनीस एवं धर्मेन्द्र ओझा द्वारा किया गया।

दीपावली पर उज्ज्वला लाभार्थियों को निःशुल्क सिलेंडर वितरण शुरू

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

देवरिया। मंगलवार को लखनऊ लोकभवन में मुख्यमंत्री द्वारा दीपावली पर उज्ज्वला लाभार्थियों को निःशुल्क सिलेंडर वितरण का शुभारंभ किया गया। जनपद में भी कार्यक्रम आयोजित कर मुख्यमंत्री के संबोधन का सजीव प्रसारण किया गया और लाभार्थियों को प्रतीकात्मक चेक वितरित किए गए। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष गिरीश तिवारी, विधायक रुद्रपुर जयप्रकाश निषाद, विधायक बरहज दीपक मिश्रा, विधायक सदर शलभमणि त्रिपाठी, भाजपा जिला उपाध्यक्ष राजेश मिश्रा, सीडीओ राजेश सिंह, जिला पूर्ति अधिकारी और जिला नोडल अधिकारी उज्ज्वला अभिषेक सिंह मौजूद रहे। योजना के तहत राज्य सरकार सभी उज्ज्वला कनेक्शन धारकों के खाते में 647.45 रुपये की सब्सिडी भेजेगी।



राज्य स्तरीय विवेकानन्द यूथ एवार्ड के लिए 15 से 35 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं से मांगे गए आवेदन

इच्छुक युवा २० नवम्बर, २०२६ तक उपलब्ध कराएं आवेदन एवं उपलब्धियों का विवरण।

संवाददाता

कुशीनगर। जिला युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल अधिकारी अमिताभ कुमार ने बताया कि युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के निर्देशानुसार गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी व्यक्तिगत श्रेणी के अन्तर्गत सामाजिक कार्यों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले युवाओं को राज्य स्तरीय विवेकानन्द यूथ एवार्ड से सम्मानित किया जाना है।

इस दौरान उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय विकास एवं सामाजिक सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले युवाओं को उक्त पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। इसमें खेलकूद, सामाजिक वृक्षारोपण, परिवार कल्याण, अल्प बचत, रक्तदान, नशामुक्ति, जल संरक्षण, पुस्तकालय एवं वाचनालय की स्थापना व संचालन, जैविक खेती, सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापना, स्वच्छता कार्यक्रम, राष्ट्रीय एकीकरण, साक्षरता, आपदा प्रबंधन, मतदाता जागरूकता, स्वास्थ्य, अनुसंधान, कला, संस्कृति एवं साहित्य, मानवाधिकारों को बढ़ावा देने, पर्यटन, पारम्परिक चिकित्सा, सक्रिय नागरिकता, सामुदायिक सेवा, खेल एवं शैक्षिक उत्कृष्टता तथा स्मार्ट लर्निंग आदि क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान करने वाले युवा आवेदन कर सकते हैं। पुरस्कार हेतु आवेदनकर्ता की आयु 01 जनवरी, 2026 को 15 से 35 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। चयनित युवाओं को पुरस्कार स्वरूप एक पदक, प्रमाण–पत्र, स्वामी विवेकानन्द जी की कांस्य प्रतिमा तथा 50 हजार रुपये की नकद धनराशि प्रदान की जाएगी।

उन्होंने बताया कि विगत तीन वर्षों अर्थात 01 अप्रैल, 2023 से 31 मार्च, 2026 तक की अवधि में सराहनीय कार्य करने वाले इच्छुक युवा अपने आवेदन पत्र के साथ कार्यों एवं उपलब्धियों की बुकलेट तीन प्रतियों में तैयार कर 20 नवम्बर 2026 तक जिला युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल अधिकारी कार्यालय, विकास भवन, गोरखपुर में उपलब्ध करा सकते हैं। आवेदन पत्र एवं विस्तृत जानकारी विकास भवन, गोरखपुर स्थित उक्त कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

जनता दल एस के मण्डल प्रभारी नियुक्त

लखनऊ,संवाददाता। जनता दल सेक्युलर के प्रदेश प्रवक्ता जॉय बनर्जी ने बताया कि 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले जनता दल सेक्युलर ने उत्तर प्रदेश में संगठन को बूथ स्तर तक सशक्त और मजबूत करने के लिए सघन अभियान छेड़ दिया है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष ओंकार सिंह के नेतृत्व में पूरे प्रदेश में बैठकों और कार्यकर्ता सम्मेलनों के माध्यम से संगठन विस्तार का कार्यक्रम चल रहा है। चंदौली, वाराणसी, जौनपुर, बलिया, गाजीपुर, बलरामपुर, बस्ती, गोण्डा, शाहजहांपुर, कानपुर, बुलंदशहर, सहारनपुर , आगरा, हापुड़ सहित कई जिलोंमेंकार्यकर्ता सम्मेलनों को संबोधित कर उन्होंने 2027 के चुनाव में अहम भूमिका निभाने का आह्वान किया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा की सहमति से और केंद्रीय मंत्री एच डी कुमार स्वामी ज क के मार्गदर्शन में, विधानसभा चुनाव 2027 को देखते हुए प्रदेश के मण्डल प्रभारियों की नियुक्ति प्रदेश अध्यक्ष ओंकार सिंह के द्वारा जारी कर दी गई है। लखनऊ मण्डल–प्रदेश उपाध्यक्ष अशोक पाठक और प्रदेश महासचिव राजेन्द्र सिंह रावतअयोध्या, बस्ती एवं गोरखपुर मण्डल–प्रदेश प्रवक्ता जॉय बनर्जी, प्रदेश महासचिव पटेल अशोक विश्वास एवं प्रदेश सचिव चन्द्रिका प्रसाद यादव प्रयागराज मण्डल–प्रदेश महासचिव राजेश सिंहवाराणसी एवं मिर्जापुर मण्डल–प्रदेश उपाध्यक्ष स्वामी कन्हैया महाराजझाँसी मण्डल–प्रदेश सचिव धर्मेन्द्र और अलीगढ़ मण्डल–प्रदेश सचिव राजीव सक्सेना और अवनीश त्यागी को मंडल की जिम्मेदारी दी गई है।

घर के आंगन में फेंका हाथ गोला पटाखा, महिला हुई घायल, हालत गंभीर

- **गंभीर रूप से घायल महिला को मेडिकल कलेज में कराया गया भर्ती।**
- **परिजनों का आरोप घर की सफाई करते समय आंगन में अराजक तत्वों ने फेंका हथ गोला।**

संवाददाता

प्रतापगढ़। रानीगंज थाना क्षेत्र के जामताली बाजार निवासी दीपक श्रीवास्तव किराना की दुकान चलाकर परिवार का भरण पोषण करता है।

बताते चलें मंगलवार की सुबह करीब 10 बजकर 30 बजे दीपक श्रीवास्तव के पुत्र एकांत श्रीवास्तव की पत्नी तमन्ना श्रीवास्तव 22 वर्ष प्रत्येक दिन की भांति घर के आंगन में झाड़ू लगाकर साफ सफाई कर रही थी। दीपक श्रीवास्तव एवं परिजनों का आरोप है कि इसी बीच किसी अज्ञात अराजक तत्व ने दीपक श्रीवास्तव के आंगन में हथ गोला पटाका फेंक दिया। और वह आंगन में गिरते ही जोरदार धमाके के साथ फट गया। आंगन की सफाई कर रही तमन्ना श्रीवास्तव इसकी चपेट में आ गई जिससे उसके हाथ पैर और चेहरे पर गंभीर चोटे आई और वह खून से लथपथ होकर तड़पने लगी। चीख पुकार पर परिजन आंगन में पहुंचे तो तमन्ना की हालत देखकर दंग रह गए। घटना के बाद परिजन आसपास काफी खोजबीन किये लेकिन अराजक तत्व का पता नहीं चल सका। घटनास्थल पर परिजनों के मुताबिक हथ गोला पटाखा फटने के बाद वहां पर गिट्टी और कंकड़ के टुकड़े भी बिखरे पाए गए। जिससे परिजन हथ गोला पटाका अराजक तत्वों द्वारा फेंकने से घटना बता रहे हैं। गंभीर रूप से घायल तमन्ना श्रीवास्तव को परिजन आनन–फानन में मेडिकल कॉलेज प्रतापगढ़ में भर्ती कराये। जहां पर तमन्ना की हालत में सुधार बताया जा रह है। घटना की सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष रानीगंज चौकी, प्रभारी जामताली पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और परिजनों से पूछताछ कर मामले की गंभीरता से जांच पड़ताल कर रहे हैं। फिलहाल जो भी हो जामताली क्षेत्र में मामला चर्चा का विषय बना हुआ है। उधर पीड़ित परिवार बम फटने की अफवाह को सिरे से खारिज कर रहा हैं। फिलहाल जो भी हो जाम ताली बाजार में मामला चर्चा का विषय बना हुआ है।

सारा ने की नेपोटिज्म पर बात, बोलीं– नहीं था गॉडफादर, पिता ने भी नहीं की मदद



बॉलीवुड अभिनेत्री सारा अली खान एक प्रतिष्ठित फिल्मी परिवार से ताल्लुक रखती हैं। उनकी दादी शर्मिला टैगोर और माता–पिता अमृता सिंह व सैफ अली खान फिल्म इंडस्ट्री के जाने–माने नाम हैं। सारा ने माना कि स्टार किड होने का उन्हें बॉलीवुड में फायदा मिला है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि नेपोटिज्म पर लगातार चर्चा होने से उनकी मेहनत और प्रयासों को अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। सारा से पूछा गया कि क्या उनके परिवार की विरासत ने उनकी मदद की है या उन पर बोझ बनी है, तो सारा ने कहा, यह दोनों का मिला–जुला रूप है। मैं इतनी नासमझ या भ्रम में नहीं हूं कि इस बात को न मानूं या इसके लिए आभारी न रहूं कि इसने मेरे लिए कई दरवाजे खोले। इसने मुझे पहचान दी है, लेकिन साथ ही, कभी–कभी मुझे लगता है कि उम्मीदों का स्तर बहुत ऊंचा हो जाता है। सारा ने आगे कहा, लोगों के लिए नेपोटिज्म बुरा शब्द बन गया और मुझे जो बात अच्छी नहीं लगती, वह यह है कि इससे इंसान की अपनी मेहनत को नजरअंदाज कर दिया जाता है। मैंने पहले भी कहा है और फिर कहूंगी चाहे जाह्नवी हों, अनन्या हों या मैं, हमने यह नहीं चुना कि हम किस परिवार में पैदा होंगे। हम बस किस्मत वाले थे। मुझे नहीं लगता कि हमारी गलती न होने पर भी हमें दोषी ठहराना सही है। सारा कहती हैं, क्या नेपोटिज्म से हमें कोई फायदा मिला है? हां, बिल्कुल। हमें ऐसा डेब्यू मिला जिसके लिए लोग तरसते हैं, लेकिन करियर के 8 साल बाद भी, अगर मुझे लोगों को यह समझाना पड़े तो मुझे नहीं लगता कि इसकी जिम्मेदारी मुझ पर होनी चाहिए। मैं अकेली मां के साथ रहती हूं। मेरे पास कोई ऐसा पिता नहीं था जो ऑफिस जाए, मेरे कॉन्ट्रैक्ट्स पर बातचीत करे और लोगों से मुझे अपनी फिल्मों में लेने की गुजारिश करे। सारा आगे कहती हैं, जब मुझे केदारनाथ के समय कोई परेशानी हुई, तो मैंने उसे खुद ही सुलझाया। मेरे साथ कोई नहीं था। यह दोधारी तलवार की तरह है, क्योंकि इंडस्ट्री में मेरा कोई गॉडफादर नहीं था। बता दें सारा के माता–पिता अमृता और सैफ का 2004 में तलाक हो गया था, और उनकी परवरिश मुख्य रूप से उनकी मां ने ही की है। सारा ने केदारनाथ से डेब्यू के बाद सिम्बा, अतरंगी रे जैसी फिल्मों में काम किया है।

क्ले मास्क बनाम शीट मास्क : त्वचा के लिए कौन–सा विकल्प है ज्यादा बेहतर ?

त्वचा की देखभाल के लिए मास्क का इस्तेमाल एक लोकप्रिय तरीका है। बाजार में 2 प्रकार के मास्क मौजूद हैं, एक क्ले वाला फेस मास्क और दूसरा शीट मास्क। दोनों के अपने–अपने फायदे और उपयोग हैं। इस लेख में हम इन दोनों मास्क के बीच के अंतर और उनके फायदे–नुकसान पर चर्चा करेंगे, जिससे आप अपनी त्वचा की जरूरत के हिसाब से सही विकल्प चुन सकें। आइए जानते हैं कि दोनों में से कौन–सा मास्क त्वचा के लिए बेहतर है।

क्ले मास्क के फायदे

क्ले मास्क प्राकृतिक तत्वों से बने होते हैं, जो त्वचा की गहराई तक जाकर उसे साफ और स्वस्थ रखते हैं। ये मास्क त्वचा के अतिरिक्त तेल को सोख लेते हैं, जिससे मुंहासे होने की संभावना कम होती है। इसके अलावा ये मास्क त्वचा की गंदगी और अशुद्धियों को भी हटाते हैं, जिससे त्वचा तरोताजा महसूस करती है। क्ले मास्क में मौजूद खनिज तत्व त्वचा को पोषण देते हैं, जिससे वह निखरी और चमकदार दिखती है।

शीट मास्क के फायदे

शीट मास्क एक प्रकार का पहले से तैयार मास्क होता है, जिसे सीधे चेहरे पर लगाया जाता है। यह त्वचा को तुरंत नमी



प्रदान करता है और उसे ताजगी महसूस कराता है।

शीट मास्क में मौजूद नमी देने वाले तत्व त्वचा को मुलायम बनाते हैं और उसकी चमक बढ़ाते हैं। इसे इस्तेमाल करना आसान होता है और यह यात्रा के दौरान या व्यस्त दिनचर्या में भी सुविधाजनक है। शीट मास्क अलग–अलग प्रकार की जरूरतों के हिसाब से उपलब्ध होते हैं।

दोनों मास्क के बीच का अंतर

क्ले मास्क को लगाने के बाद कुछ मिनट तक सूखने दिया जाता है और फिर इसे धो लिया जाता है। वहीं, शीट मास्क को चेहरे पर लगाने के बाद उतार लिया जाता है, बिना धोने की जरूरत पड़े। इस प्रकार दोनों मास्क का उपयोग करने का तरीका अलग–अलग है। अगर आपकी त्वचा तैलीय है या मुंहासों की समस्या है तो क्ले मास्क बेहतर रहेगा। वहीं, सूखी त्वचा वालों के लिए शीट मास्क सही रहेगा।

क्ले मास्क के नुकसान

क्ले मास्क कुछ लोगों की त्वचा पर जलन या एलर्जी पैदा कर सकते हैं, खासकर संवेदनशील त्वचा वालों के लिए। इसके अलावा अगर सही मात्रा में इस्तेमाल न किया जाए तो यह त्वचा को सुखा भी सकता है। इसके अलावा क्ले मास्क को सूखने में समय लगता है, जो कभी–कभी असुविधाजनक हो सकता है। इस प्रकार क्ले मास्क के कुछ नुकसान भी हैं, जिन्हें ध्यान में रखना जरूरी होता है।

शीट मास्क के नुकसान

शीट मास्क पर्यावरण के लिए हानिकारक हो सकते हैं, क्योंकि ये प्लास्टिक से बने होते हैं और इन्हें फेंकना मुश्किल होता है।

इसके अलावा कुछ शीट मास्क में मौजूद रसायन संवेदनशील त्वचा वालों को जलन या एलर्जी पैदा कर सकते हैं। इस प्रकार दोनों प्रकार के मास्क के अपने–अपने फायदे और नुकसान हैं। आपकी त्वचा की जरूरतों के हिसाब से ही सही विकल्प चुनें, ताकि आपको बेहतरीन परिणाम मिल सकें।

फिल्म इंडियन 3 का नया पोस्टर जारी, सेनापति फिर लौटेगा जीरो टॉलरेंस के साथ

दिग्गज अभिनेता कमल हासन और मशहूर निर्देशक एस. शंकर की आगामी तमिल एक्शन–थ्रिलर फिल्म इंडियन 3 के निर्माताओं ने फिल्म का नया पोस्टर जारी किया। लाइका प्रोडक्शंस ने सोशल मीडिया पर नया पोस्टर शेयर किया और लिखा, सेनापति जीरो टॉलरेंस के साथ वापस आए हैं। इंडियन 3 वॉर मोड में वापसी शुरू होती है। सूत्रों ने बताया कि पोस्ट–प्रोडक्शन का काम अब पूरी रफ्तार से चल रहा है, क्योंकि तीसरे भाग का एक बड़ा हिस्सा दूसरे भाग की शूटिंग के दौरान ही शूट किया गया था। इंडियन फ्रेंचाइजी का पहला भाग इंडियन 1996 में रिलीज हुआ था, जिसमें कमल हासन, मनीषा कोइराला और उर्मिला मातोंडकर मुख्य भूमिकाओं में थे, जिसे दर्शकों की तरफ काफी प्यार मिला था। इसकी सफलता के बाद निर्देशक शंकर और अभिनेता कमल हासन ने फिल्म का सीक्वल बनाने पर विचार किया। 2017 में उन्होंने पहले भाग का सीक्वल इंडियन 2 की घोषणा की, हालांकि इंडियन 2 में काफी देरी हुई और इसके निर्माता इसे 2024 में ही पूरा कर पाए। दरअसल, फिल्म के सेट पर एक हादसे के बाद काम पूरी तरह रुक गया था, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई और 10 से ज्यादा घायल हो गए थे। इस दुर्घटना से सभी प्रभावित हुए, जिसके बाद शंकर, लाइका और कमल हासन ने मृतकों के परिवारों को आर्थिक सहायता देने की घोषणा की थी। जब शूटिंग फिर से शुरू करने की कोशिश की गई, तो कोविड आ गया और प्रोजेक्ट को रोकना पड़ा। इसके अलावा, निर्देशक, अभिनेता और निर्माताओं के बीच मतभेद भी थे। काफी चर्चा के बाद विवाद

चिरंजीवी की काका संक्रांति पर होगी रिलीज, मेकर्स ने देरी की अफवाहों पर लगाया विराम

चिरंजीवी की फिल्म काका के 2027 में संक्रांति पर रिलीज होने की प्लानिंग चर्चा का विषय बन गई है, क्योंकि फिल्म की रिलीज की तारीख आधिकारिक तौर पर 13 जनवरी तय की गई है। मेकर्स ने फिल्म के टलने की अटकलों पर विराम लगा दिया है, जबकि ऐसी खबरें थीं कि चिरंजीवी की लंबे समय से अटकी फिल्म विश्वंभरा को भी संक्रांति पर रिलीज करने पर विचार किया जा रहा था। काका की टीम ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए रिलीज की देरी की अफवाहों पर विराम लगाया है और बताया कि यह फिल्म अपने तय समय पर ही दस्तक देगी। काका के मेकर्स ने पोस्ट करते हुए लिखा, सभी अटकलों को खत्म करते हुए, काका संक्रांति 2027 पर रिलीज हो रही है।

कभी मॉडलिंग से भी घबराती थीं इलियाना डिक्रूज, पहली फिल्म से ही जीत लिया फिल्मफेयर अवॉर्ड



फिल्मी दुनिया में कई कलाकार ऐसे होते हैं, जिन्हें पहली ही फिल्म से दर्शकों का प्यार मिल जाता है लेकिन उस मुकाम तक पहुंचने का उनका सफर आसान नहीं होता। इलियाना डिक्रूज भी ऐसी ही अभिनेत्रियों में शामिल हैं। उन्होंने दक्षिण भारतीय फिल्मों से अपने करियर की शुरुआत की और बाद में हिंदी सिनेमा में भी अपनी जगह बनाई। रणबीर कपूर और प्रियंका चोपड़ा के साथ फिल्म बर्फी में काम करने के बाद उनकी पहचान देशभर में हो गई। हालांकि, कैमरे के सामने आने से पहले इलियाना मॉडलिंग को लेकर भी सहज नहीं थीं। उन्हें शुरुआत में इस दुनिया में कदम रखने से डर लगता था, लेकिन धीरे–धीरे उन्होंने खुद को इस काम के लिए तैयार किया और पहली ही फिल्म से अवॉर्ड जीतकर अपनी प्रतिभा साबित की। इलियाना डिक्रूज का जन्म 1 नवंबर 1986 को मुंबई में हुआ था। उनके पिता रोनाल्डो डिक्रूज और मां समीरा डिक्रूज हैं। उनका परिवार मूल रूप से गोवा से जुड़ा है। जब इलियाना करीब 10 साल की थी, तब उनका परिवार गोवा चला गया। वहीं उन्होंने अपनी पढ़ाई पूरी की। उनके परिवार में तीन भाई–बहन हैं। इलियाना का बचपन सामान्य तरीके से बीता और उस समय उन्होंने अभिनेत्री बनने के बारे में नहीं सोचा था। इलियाना की मॉडलिंग में एंट्री भी एक दिलचस्प घटना के बाद हुई। उनकी मां जिस होटल में काम करती थीं, वहां के एक मैनेजर ने इलियाना को देखा और उनकी मां को मॉडलिंग में करियर बनाने की सलाह दी। इसके बाद उनकी मां ने उन्हें इस दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। शुरुआत में इलियाना कैमरे के सामने आने में सहज नहीं थीं। साल 2003 में उनका पहला मॉडलिंग पोर्टफोलियो तैयार किया गया था लेकिन उन्हें वह बिल्कुल पसंद नहीं आया। उन्होंने बाद में इसे अपना खराब अनुभव बताया था। हालांकि, इसके बाद उन्होंने कुछ फोटोशूट और रैंप शो किए। धीरे–धीरे उन्हें विज्ञापनों में काम मिलने लगा। मॉडलिंग के दौरान इलियाना को तेलुगु फिल्म देवदासु में काम करने का मौका मिला। साल 2006 में रिलीज हुई इस फिल्म से उन्होंने एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा। उस समय उनकी उम्र करीब 17 साल थी। फिल्म में उन्होंने भानुमति का किरदार निभाया था। यह एक रोमांटिक फिल्म थी, जिसमें राम के साथ उनकी जोड़ी दिखाई दी थी। फिल्म को दर्शकों ने पसंद किया और इलियाना की एक्टिंग की भी तारीफ हुई। इस फिल्म के लिए उन्हें फिल्मफेयर साउथ का बेस्ट फीमेल डेब्यू अवॉर्ड मिला। पहली ही फिल्म से सम्मान मिलने के बाद उनका आत्मविश्वास बढ़ा। इसके बाद इलियाना ने तेलुगु सिनेमा में कई सफल फिल्मों में काम किया।

पोकीरी, जलसा, किक और जुलाई जैसी फिल्मों ने उन्हें दक्षिण भारतीय सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्रियों में शामिल कर दिया। महेश बाबू, पवन कल्याण, रवि तेजा और अल्लू अर्जुन जैसे कलाकारों के साथ काम करके उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई। साल 2012 में उन्होंने तमिल फिल्म ननबन में भी काम किया। इलियाना के करियर का सबसे बड़ा मोड़ साल 2012 में आया, जब उन्होंने अनुराग बसु की फिल्म बर्फी से बॉलीवुड में कदम रखा। इस फिल्म में उनके साथ रणबीर कपूर और प्रियंका चोपड़ा थे। फिल्म में उन्होंने श्रुति घोष का किरदार निभाया था। यह एक ऐसी लड़की की कहानी थी, जिसकी जिंदगी में प्यार और रिश्तों को लेकर कई मुश्किलें आती हैं।

ठंड से बचने के लिए पिएं ये पौष्टिक सूप, इन्हें बनाना भी है आसान

सर्दियों में शाम के समय ठंड से बचने के लिए कई लोग गर्मा–गर्म सूप का सेवन करना पसंद करते हैं। सूप न केवल स्वादिष्ट होते हैं, बल्कि इनमें मौजूद प्रोटीन शरीर को गर्माहट देने के साथ कई फायदे भी पहुंचा सकते हैं। आइए आज हम आपको 5 पौष्टिक सूप की रेसिपी बताते हैं, जिनका सेवन ठंड से बचाने के साथ–साथ शरीर की ताकत बढ़ाने में मददगार साबित हो सकता है।

पालक और मूंग दाल का सूप

सबसे पहले पालक और मूंग दाल को अलग–अलग उबाल लें। फिर एक पैन में पालक, मूंग दाल, लहसुन, अदरक, हरी मिर्च और थोड़ा पानी डालकर मिलाएं।

अब इस मिश्रण को ठंडा करके पीसें। इसके बाद इस पेस्ट को पैन में दाल, जीरा, नमक, हल्दी, लाल मिर्च, गरम मसाला और पानी के साथ डालकर अच्छी तरह मिलाएं और इसे 5 मिनट तक पकाएं।

अंत में इसे कटोरी में निकालकर गर्मा–गर्म परोसें।

मिक्स सब्जियों का सूप

सबसे पहले गाजर, खीरा, टमाटर, प्याज, शिमला मिर्च, हरी मिर्च, अदरक और लहसुन को छोटे–छोटे टुकड़ों में काट लें। फिर एक पैन में सब्जियां, नमक, काली मिर्च, थोड़ा पानी और थोड़ा तेल डालकर मिलाएं।

अब इस मिश्रण को 5 मिनट तक पकाएं और जब सब्जियां नरम हो जाएं तो इसे ठंडा करके पीस लें। अंत में इसे कटोरी में डालकर गर्मा–गर्म परोसें।

इसमें आप अपनी पसंद की कोई भी सब्जी शामिल कर सकते हैं।

टमाटर का सूप

सबसे पहले टमाटर को



छोटे–छोटे टुकड़ों में काटें। फिर एक पैन में मक्खन गर्म करके उसमें लहसुन भूनें।

अब इसमें टमाटर, नमक, काली मिर्च और थोड़ा पानी मिलाकर इसे 5 मिनट तक पकाएं। इसके बाद इस मिश्रण को ठंडा करके पीस लें।

अंत में इस मिश्रण को पैन में दूध और एक चुटकी सोया सॉस के साथ मिलाकर 5 मिनट तक पकाएं। आखिर में इसे कटोरी में डालकर गर्मा–गर्म परोसें।

गाजर का सूप

सबसे पहले गाजर को छोटे–छोटे टुकड़ों में काटें। फिर एक पैन में मक्खन गर्म करके उसमें लहसुन भूनें।

अब इसमें गाजर, नमक, काली मिर्च और थोड़ा पानी मिलाकर इसे 5 मिनट तक पकाएं। इसके बाद इस मिश्रण को ठंडा करके पीस लें। अंत में इस मिश्रण को पैन में दूध और एक चुटकी सोया सॉस के साथ मिलाकर 5 मिनट तक पकाएं। आखिर में इसे कटोरी में डालकर गर्मा–गर्म परोसें।

मशरूम का सूप

सबसे पहले मशरूम को छोटे–छोटे टुकड़ों में काटें। फिर एक पैन में मक्खन गर्म करके उसमें लहसुन भूनें।

अब इसमें मशरूम, नमक, काली मिर्च और थोड़ा पानी मिलाकर इसे 5 मिनट तक पकाएं। इसके बाद इस मिश्रण को ठंडा करके पीस लें। अंत में इस मिश्रण को पैन में दूध और एक चुटकी सोया सॉस के साथ मिलाकर 5 मिनट तक पकाएं। आखिर में इसे कटोरी में डालकर गर्मा–गर्म परोसें।

एक और ऐतिहासिक उपलब्धि की दहलीज पर विराट कोहली, ऐसा करने वाले बनेंगे दुनिया के पहले बल्लेबाज

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली अपने करियर के उस मुकाम पर हैं, जहां वह हर मैच के साथ ही कोई न कोई बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लेते हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ बुधवार (4 नवंबर) को होने वाले वनडे सीरीज के पहले मुकाबले में भी विराट के पास एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने का सुनहरा मौका होगा। दरअसल, विराट कोहली वनडे में नंबर तीन की पोजीशन पर खेलते हुए अब तक 305 पारियों में 12,988 रन बना चुके हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ अगर पहले वनडे मुकाबले में विराट 12 रन बनाने में सफल रहते हैं, तो वह इस पोजीशन पर खेलते हुए 13 हजार रन पूरे करने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बन जाएंगे। इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज रिकी पोंटिंग मौजूद



हैं, जिन्होंने 365 पारियों में 12,662 रन बनाए हैं। वनडे क्रिकेट में किसी एक पोजीशन पर खेलते हुए सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर के नाम है। सचिन ने सलामी बल्लेबाज के तौर पर 15,310 रन बनाए हैं। विराट कोहली अगर न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में एक शतक लगाने में सफल रहते हैं, तो वो लिस्ट–ए क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने के मामले में सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ देंगे। कोहली और सचिन ने अभी तक लिस्ट–ए क्रिकेट में 60–60 शतक लगाए हैं। कोहली का रिकॉर्ड न्यूजीलैंड के खिलाफ 50 ओवर की क्रिकेट में शानदार रहा है। विराट ने 36 मुकाबलों में न्यूजीलैंड के खिलाफ 57 की दमदार औसत से खेलते हुए 1,897 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने 7 शतक और 10 अर्धशतक लगाए हैं। विराट न्यूजीलैंड के खिलाफ 154 रनों की नाबाद पारी भी खेल चुके हैं। न्यूजीलैंड में कोहली ने कुल 11 वनडे मैच खेले हैं और इस दौरान 46 की औसत से खेलते हुए 514 रन बनाए हैं। न्यूजीलैंड की सरजमीं पर कोहली एक शतक और 4 अर्धशतक लगा चुके हैं। भारत और न्यूजीलैंड के बीच वनडे सीरीज का पहला मुकाबला 4 नवंबर को खेला जाना है।

मै कडॉनल्ड ने ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों का किया बचाव

नयी दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के हेड कोच एंड्रयू मैकडॉनल्ड ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ बल्लेबाजों के निराशाजनक प्रदर्शन के बावजूद अपनी बैटिंग लाइनअप पर भरोसा जताया है। उन्होंने कहा कि केपटाउन में सीरीज गंवाने के बाद भी टीम के पास सकारात्मक रहने और आगे बेहतर प्रदर्शन करने के कई कारण हैं। मैकडॉनल्ड ने यह भी भरोसा जताया कि स्टीव स्मिथ न्यूजीलैंड के खिलाफ आने वाली घरेलू टेस्ट सीरीज के लिए वापसी करेंगे, क्योंकि ऑस्ट्रेलिया मुश्किल इंटरनेशनल शेड्यूल से पहले बैटर की गर्दन की समस्या को ठीक करना चाहता है। कैमरून ग्रीन के चोट से वापस आने और जोश इंग्लिस के एक और विदेशी टेस्ट के साथ अपनी दावेदारी मजबूत करने के साथ ऑस्ट्रेलिया न्यूजीलैंड सीरीज से पहले अलग–अलग बैटिंग कॉम्बिनेशन देख सकता है।

मैथ्यू बॉयल का शतक, मुकेश ने खोला पंजा, पहली पारी में 424 रन बनाकर ऑलआउट हुई न्यूजीलैंड ए टीम

क्राइस्टचर्च, एजेंसी। भारत ए और न्यूजीलैंड ए के बीच दूसरा अनौपचारिक टेस्ट मैच हेगले ओवल के मैदान पर खेला जा रहा है। टेस्ट के तीसरे दिन पहली पारी में न्यूजीलैंड की पूरी टीम 424 रन बनाकर ऑलआउट हुई। न्यूजीलैंड ए ने पहली पारी के आधार पर 78 रनों की बढ़त हासिल की। न्यूजीलैंड ए की शुरुआत अच्छी नहीं रही और राइस मारियू 4 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद कर्टिस हीफी भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और 4 रन बनाकर मुकेश कुमार का शिकार बने। टिम रॉबिन्सन भी महज 3 रन ही बना सके। हालांकि, इसके बाद मैथ्यू बॉयल और डीन डीन फॉक्सक्रॉफ्ट ने मोर्चा संभाला और चौथे विकेट के लिए 331 गेंदों में 208 रनों की साझेदारी निभाई। फॉक्सक्रॉफ्ट 226 गेंदों का सामना करने के बाद 93 रन बनाकर आउट हुए। वहीं,



बॉयल ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए शतक लगाया। उन्होंने 152 गेंदों का सामना करते हुए 110 रनों की दमदार पारी खेली। अपनी इस इनिंग के दौरान बॉयल ने 14 चौके और एक छक्का लगाया। मिच हे 31 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जबकि क्रिस्टियन क्लार्क ने 68 गेंदों में 41 रनों का योगदान दिया। न्यूजीलैंड ए की टीम ने अपने 7 विकेट 291 के स्कोर पर गंवा दिए थे। हालांकि, इसके बाद फ्रेजर शीट और क्लार्क ने मिलकर आठवें विकेट के लिए 47 रनों की अहम साझेदारी निभाई। वहीं, शीट ने 9वें विकेट के लिए जेडन लेनोक्स संग मिलकर 31 रन जोड़े। न्यूजीलैंड ए ने अपना 9वां विकेट 369 रनों के स्कोर पर गंवाया।

वनडे में भारत और न्यूजीलैंड के बीच रही है कांटे की टक्कर, जानिए हेड टू हेड रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच वनडे सीरीज का आगाज 4 नवंबर से होने जा रहा है। टीम इंडिया ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए टी20 सीरीज को 3–2 से अपने नाम किया। हालांकि, 50 ओवर के फॉर्मेट में दोनों टीमों के बीच कांटे की टक्कर रही है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच वनडे में अब तक कुल 123 मुकाबले खेले गए हैं। इसमें से 63 मैचों में जीत टीम इंडिया के हाथ लगी है। वहीं, 52 मुकाबलों में न्यूजीलैंड ने जीत दर्ज की है। एक मुकाबला टाई रहा है, जबकि 7 मैचों का कोई नतीजा नहीं निकल सका है। दोनों टीमों के बीच आखिरी वनडे सीरीज पिछले साल खेली गई थी, जिसमें कीवी टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए सीरीज को 2–1 से अपने नाम किया था। हालांकि, टीम इंडिया का रिकॉर्ड न्यूजीलैंड की सरजमीं पर वनडे क्रिकेट में कुछ खास नहीं रहा है।



न्यूजीलैंड में भारत ने अब तक कुल 45 एकदिवसीय मुकाबले खेले हैं, जिनमें से टीम को सिर्फ 14 में जीत मिली है, जबकि 26 मुकाबलों में भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा है। भारत ने अपनी आखिरी वनडे सीरीज न्यूजीलैंड में साल 2022 में खेली थी, जिसे न्यूजीलैंड ने 1–0 से अपने नाम किया था। ऐसे में कप्तान शुभमन गिल के सामने वनडे सीरीज में न्यूजीलैंड से पार पाने की कड़ी चुनौती होगी। वनडे सीरीज के शुरुआती तीन मैचों में कप्तानी की जिम्मेदारी शुभमन गिल संभालते हुए नजर आएंगे, जबकि आखिरी दो एकदिवसीय मुकाबलों में टीम की कमान श्रेयस अय्यर के हाथों में होगी।

समुद्री सीमाओं की सुरक्षा होगी और मजबूत

नयी दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि उसने नौसेना के लिए आठ युद्धपोत खरीदने के वास्ते दो सरकारी जहाज निर्माण कंपनियों के साथ 53,866 करोड़ रुपये के अनुबंध किए हैं। मंत्रालय ने बताया कि ये अनुबंध गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (जीआरएसई) और गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (जीएसएल) के साथ किए गए हैं जिनके तहत आठ अगली पीढ़ी के कॉर्वेट (एनजीसी) खरीदे जाएंगे। कॉर्वेट छोटे आकार के, तेज गति से चलने वाले युद्धपोत होते हैं, जो फ्रिगेट और विध्वंसक युद्धपोतों की तुलना में आकार में छोटे होते हैं। मंत्रालय ने कहा, इन अनुबंधों के तहत जीआरएसई पांच कॉर्वेट बनाएगी जबकि जीएसएल बाकी तीन कॉर्वेट का निर्माण करेगी।

अनौपचारिक टेस्ट : पुछल्ले बल्लेबाजों ने न्यूजीलैंड ए को दिलाई बढ़त, दूसरी पारी में भारत ए ने बनाए 32/0

क्राइस्टचर्च, एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच दूसरा अनौपचारिक टेस्ट मैच हेगले ओवल के मैदान पर खेला जा रहा है। तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक दूसरी पारी में भारत ने बिना कोई विकेट गंवाए 32 रन बना लिए हैं। साई सुदर्शन 11 और यशस्वी जायसवाल 20 रन बनाकर क्रीज पर टिके हुए हैं। इससे पहले, पहली पारी में न्यूजीलैंड ए की पूरी टीम पहली इनिंग में 424 रन बनाकर ऑलआउट हुई। कीवी टीम ने पुछल्ले बल्लेबाजों की शानदार बल्लेबाजी के चलते पहली पारी के आधार पर 78 रनों की अहम बढ़त हासिल की। न्यूजीलैंड ए की शुरुआत निराशाजनक रही। राइस मारियू सिर्फ 4 रन बनाकर आउट हो गए, जबकि कर्टिस हीफी भी 4 रन ही बना सके और टिम रॉबिन्सन भी केवल 3 रन बनाकर आउट हुए। शुरुआती



झटकों के बाद मैथ्यू बॉयल और डीन फॉक्सक्रॉफ्ट ने पारी को संभाला। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 331 गेंदों में 208 रन जोड़कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। फॉक्सक्रॉफ्ट ने 226 गेंदों पर 93 रन बनाए, जबकि मुकेश कुमार का शिकार बने। बॉयल ने शानदार शतक जड़ा। उन्होंने 152 गेंदों में 110 रन की बेहतरीन पारी खेली, जिसमें 14 चौके और एक छक्का शामिल रहा। मिच हे 31 रन बनाकर आउट हुए, जबकि क्रिस्टियन क्लार्क ने 68 गेंदों पर 41 रन बनाए। एक समय न्यूजीलैंड ए के सात विकेट 291 रन पर गिर चुके थे, लेकिन इसके बाद क्लार्क और फ्रेजर शीट ने आठवें विकेट के लिए 47 रन जोड़े। शीट ने जेडन लेनोक्स के साथ नौवें विकेट के लिए भी 31 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी निभाई। 369 रन पर 9वां विकेट गिरने के बाद जर्रौड मैकके और लेनोक्स ने भारत ए के गेंदबाजों को लंबा इंतजार कराया। दोनों ने आखिरी विकेट के लिए 149 गेंदों में 55 रन जोड़ते हुए 24.5 ओवर तक बल्लेबाजी की। मैकके ने 75 गेंदों में 33 रन बनाए, जबकि लेनोक्स 97 गेंदों पर 32 रन बनाकर नाबाद लौटे। भारत ए की ओर से मुकेश कुमार सबसे सफल गेंदबाज रहे और उन्होंने पांच विकेट अपने नाम किए। मोहम्मद सिराज ने चार विकेट लिए, जबकि वॉशिंगटन सुंदर को एक सफलता मिली। इससे पहले, भारत ए की पहली पारी 346 रन पर सिमट गई थी।

भारत के विनिर्माण क्षेत्र की मजबूत रफ्तार बरकरार

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारत के विनिर्माण क्षेत्र में अक्टूबर में भी मजबूत विस्तार दर्ज किया गया। हालांकि, इस दौरान उत्पादन और नए ऑर्डर में बढ़ोतरी की रफ्तार कुछ धीमी रही। एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) अक्टूबर में 54.7 पर रहा। विनिर्माण क्षेत्र की इस मजबूती को विदेशी बाजारों से मिले नए ऑर्डर का सहारा मिला। अक्टूबर में निर्यात से जुड़े नए ऑर्डर में पिछले छह महीनों की सबसे तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई। वहीं, उत्पादन लागत और वस्तुओं की कीमतों पर दबाव में कुछ कमी आई। एसएंडपी ग्लोबल के संकलित आंकड़ों के अनुसार, कंपनियों ने कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने और कच्चे माल का भंडार तैयार करने का सिलसिला जारी रखा। हालांकि, नई भर्तियों की रफ्तार धीमी रही। इसके अलावा, आने वाले समय में कारोबार की संभावनाओं को लेकर कंपनियों का भरोसा भी कमजोर हुआ। अक्टूबर में विनिर्माण पीएमआई 54.7 पर रहा, जो सितंबर के 55.1 के स्तर से थोड़ा कम है। हालांकि, यह लगातार 50 के तटस्थ स्तर से ऊपर बना हुआ है। पीएमआई का 50 से ऊपर रहना विनिर्माण गतिविधियों में विस्तार का संकेत देता है, जबकि 50 से नीचे का स्तर गिरावट को दर्शाता है। अक्टूबर का आंकड़ा इस क्षेत्र के दीर्घकालिक औसत से भी ऊपर रहा। इससे पता चलता है कि भारत के विनिर्माण क्षेत्र में मांग और कारोबारी गतिविधियां मजबूत बनी हुई हैं। एचएसबीसी की मुख्य भारत अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा कि अक्टूबर में भारत का विनिर्माण पीएमआई सितंबर के 55.1 से घटकर 54.7 पर आ गया।

दिवाली से पहले बाजार ने पकड़ी रफ्तार, सेंसेक्स में 900 अंकों की बढ़त, निफ्टी में 1 प्रतिशत की तेजी

मुंबई, एजेंसी। मजबूत घरेलू और वैश्विक संकेतों के चलते हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को भारतीय शेयर बाजार मजबूती के साथ हरे निशान में खुला। अमेरिकी–ईरान वार्ता में सफलता की उम्मीदों के चलते कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट के कारण प्रमुख बेंचमार्क सूचकांकों सेंसेक्स और निफ्टी में एक प्रतिशत से ज्यादा तक की तेजी दर्ज की गई। बीएसई सेंसेक्स पिछले बंद भाव 74,459.53 के मुकाबले 75,178.24 पर खुला, जो 718.71 अंकों या 0.96 प्रतिशत की तेजी को दर्शाता है। वहीं, एनएसई निफ्टी 50 ने अपने पिछले बंद भाव 23,053.10 से 169.2 अंक या 0.73 प्रतिशत उछलकर 23,222.30 पर सत्र की शुरुआत की। दिन के कारोबार में सेंसेक्स ने 906.53 अंकों यानी 1.21 प्रतिशत की तेजी दर्ज करते हुए 75,366.06 का उच्चतम स्तर छुआ, जबकि



निफ्टी ने 248.15 अंकों यानी 1.07 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,301.25 का उच्चतम स्तर छुआ। व्यापक बाजारों में, निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में 0.83 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली तो वहीं निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.63 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। वहीं सेक्टरवार देखें तो, सबसे ज्यादा मजबूती ऊर्जा क्षेत्र में देखने को मिली। निफ्टी ऑयल एंड गैस सूचकांक 2 प्रतिशत से अधिक उछल गया। इसके अलावा निफ्टी ऑटो 0.77 प्रतिशत और निफ्टी आईटी 0.51 प्रतिशत की बढ़त के साथ कारोबार करता दिखाई दिया। दूसरी ओर रियल्टी और मीडिया शेयरों में हल्की कमजोरी रही। निफ्टी रियल्टी 0.74 प्रतिशत और निफ्टी मीडिया 0.06 प्रतिशत नीचे रहा। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, भारतीय बाजार में तेजी लौटने के स्पष्ट संकेत दिखाई दे रहे हैं। इसके पीछे घरेलू और वैश्विक दोनों स्तरों पर सकारात्मक कारक काम कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ब्रेंट क्रूड की कीमतों में पिछले सप्ताह के 118 डॉलर प्रति बैरल के उच्च स्तर से गिरावट आकर लगभग 110 डॉलर तक पहुंचना बाजार के लिए राहत की बात है। इसके साथ ही अमेरिकी 10–वर्षीय बॉन्ड यील्ड का 4.93 प्रतिशत तक नीचे आना भी निवेशकों की धारणा को समर्थन दे रहा है। विश्लेषकों का मानना है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित वैश्विक निवेश थीम में कमजोरी का भारत को अप्रत्यक्ष लाभ मिल सकता है। पिछले सप्ताह नैस्डैक में 2.8 प्रतिशत की गिरावट के बाद निवेशकों की रुचि अन्य बाजारों की ओर बढ़ रही है और भारत को इसका फायदा मिलने की संभावना जताई जा रही है। विश्लेषकों ने आगे कहा कि घरेलू मोर्चे पर भी कई मजबूत संकेत दिखाई दे रहे हैं। बैंकिंग क्षेत्र में 17.94 प्रतिशत की क्रेडिट ग्रोथ और अक्टूबर में रिकॉर्ड जीएसटी संग्रह ने यह संकेत दिया है कि भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत गति से आगे बढ़ रही है। बाजार में यह भी चर्चा है कि आगामी केंद्रीय बजट में लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स (एलटीसीजी) टैक्स व्यवस्था में बड़े बदलाव किए जा सकते हैं।

सेंसेक्स 1,233 अंक की बढ़त के साथ 75,692 पर बंद

मुंबई, एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार में सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को जोरदार तेजी देखने को मिली। सेंसेक्स 1,233.25 अंक यानी 1.66 फीसदी की बढ़त के साथ 75,692.78 अंक पर पहुंच गया। वहीं, निफ्टी 50 भी 387.70 अंक यानी 1.68 फीसदी मजबूत होकर 23,440.80 के स्तर पर बंद हुआ। कंपनी के मजबूत तिमाही प्रदर्शन से निवेशकों का भरोसा बढ़ा। रिलायंस निफ्टी 50 के प्रमुख तेजी वाले शेयरों में शामिल रहा और सूचकांक को सबसे अधिक समर्थन दिया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड की कीमत शुक्रवार के 118 डॉलर प्रति बैरल के छह महीने के उच्च स्तर से घटकर करीब 110 डॉलर पर आ गई। अमेरिका–इजरायल और ईरान के बीच तनाव कम होने तथा समझौते को लेकर बातचीत के सकारात्मक संकेतों से तेल की कीमतों को राहत मिली।

राजनीतिक आयोजन खत्म हो जाते हैं, लेकिन व्यापारिक नुकसान लंबे समय तक रहता है: इंडिया ब्लॉक रैली पर दिल्ली व्यापार महासंघ

नई दिल्ली, एजेंसी। दल्ली व्यापार महासंघ (डीवीएम) ने सोमवार को बीते 1 नवंबर 2026 को दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित इंडिया ब्लॉक की रैली के बाद व्यापार जगत का दृष्टिकोण सामने रखते हुए कहा है कि यह आयोजन राजनीतिक दलों के लिए अपनी बात रखने और शक्ति प्रदर्शन का अवसर रहा होगा, लेकिन दिल्ली के व्यापारिक समुदाय के लिए इसने कई आर्थिक चिंताएं और सवाल छोड़ दिए हैं। संगठन ने एक बयान जारी करते हुए कहा कि दीपावली जैसे महत्वपूर्ण कारोबारी सीजन के दौरान बाजारों में ग्राहकों की आवाजाही, माल की आपूर्ति और व्यापारिक गतिविधियों पर असर पड़ना चिंता का विषय है। डीवीएम ने अपने बयान में कहा कि दिल्ली के थोक बाजार केवल राजधानी की अर्थव्यवस्था का हिस्सा नहीं हैं, बल्कि देशभर के लाखों छोटे



व्यापारियों, खुदरा विक्रेताओं और आपूर्ति शृंखला से जुड़े कारोबारियों की आजीविका का आधार हैं। ऐसे में त्योहारी सीजन के दौरान किसी भी प्रकार की बाधा का प्रभाव दिल्ली तक सीमित नहीं रहता, बल्कि इसका असर देश के विभिन्न हिस्सों तक पहुंचता है। महासंघ ने कहा कि रैली के कारण कारोबारी मौसम के महत्वपूर्ण दिनों में बाजारों की सामान्य गतिविधियां प्रभावित हुईं। दूसरे राज्यों से दिल्ली आने वाले छोटे व्यापारियों की खरीदारी और व्यापारिक योजनाओं पर असर पड़ा। साथ ही दुकानदारों, कर्मचारियों, मजदूरों, ट्रांसपोर्टरों और उनसे जुड़े परिवारों की आय भी प्रभावित हुई। संगठन ने आगे बताया कि दिल्ली के प्रमुख बाजारों की सामान्य कारोबारी व्यवस्था और उनकी व्यापारिक छवि को भी झटका लगा। इसके अलावा, ग्राहकों के ऑनलाइन प्लेटफॉर्म या अन्य व्यापारिक केंद्रों की ओर रुख करने की संभावना भी बढ़ी, जो लंबे समय में स्थानीय कारोबार के लिए चुनौती बन सकती है। हालांकि डीवीएम ने यह भी माना कि इस पूरे घटनाक्रम का एक सकारात्मक पक्ष भी सामने आया। संगठन के मुताबिक, दिल्ली के व्यापारिक समुदाय की समस्याओं और चिंताओं को व्यापक सार्वजनिक चर्चा का विषय बनने का अवसर मिला।

कोल इंडिया ने 51वें स्थापना दिवस पर बनाया रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। सार्वजनिक क्षेत्र की दिग्गज कोयला कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने अपने 51वें स्थापना दिवस पर उत्पादन और आपूर्ति के क्षेत्र में नए रिकॉर्ड बनाते हुए उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। कंपनी ने अक्टूबर 2026 में अब तक की सर्वाधिक मासिक कोयला आपूर्ति और उत्पादन दर्ज किया, साथ ही बिजली क्षेत्र को भी रिकॉर्ड स्तर पर कोयले की आपूर्ति की। आधिकारिक बयान के अनुसार, अक्टूबर के दौरान सीआईएल ने 70.3 मिलियन टन (एमटी) कोयले की आपूर्ति की, जो किसी भी महीने में कंपनी की अब तक की सबसे अधिक आपूर्ति है। इससे पहले मार्च 2026 में 69.4 मिलियन टन आपूर्ति का रिकॉर्ड बना था।

भारत और यूरोपीय संघ ने एफटीए के तहत बाजार पहुंच और व्यापार सुगमता बढ़ाने पर की चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) ने व्यापक आर्थिक और रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत बनाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। दोनों पक्षों ने मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के तहत व्यापार और निवेश संबंधों को विस्तार देने, बाजार पहुंच बेहतर बनाने, सप्लाई चेन की मजबूती बढ़ाने और व्यापार सुगमता से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने ब्रुसेल्स में व्यापार और आर्थिक सुरक्षा महानिदेशालय (डीजी ट्रेड) की महानिदेशक डिटे जूल जोर्गेनसन, अंतर्राष्ट्रीय भागीदारी महानिदेशालय (डीजी आईएनटीपीए) के महानिदेशक कोएन डोएन्स, और कराधान एवं सीमा शुल्क संघ महानिदेशालय (डीजी टीएएक्सयूडी) के महानिदेशक गेरासिमोस थॉमस के साथ उच्च–स्तरीय बैठकें कीं। वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, ये बैठकें व्यापार, निवेश, विकास सहयोग, कराधान और सीमा शुल्क जैसे विभिन्न क्षेत्रों में भारत–यूरोपीय संघ सहयोग के बढ़ते दायरे को दर्शाती हैं और दोनों पक्षों की रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। कोएन डोएन्स के साथ बातचीत में भारत–यूरोपीय संघ विकास सहयोग और रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने के उपायों पर चर्चा हुई।

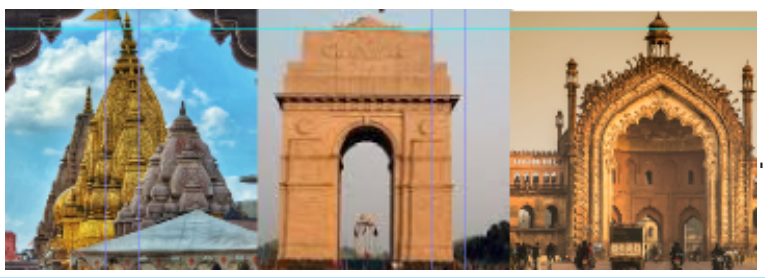
प्रकाशक, मुद्रक एवम् संपादक विजय दुबे द्वारा 62, पार्वती नगर, पाण्डेयपुर, वाराणसी से प्रकाशित व काशी प्रिंटर्स, मिन्ट हाउस, वाराणसी से मुद्रित। समस्त विवादों को लखनऊ की सक्षम अदालतों में निपटाया जायेगा।

फोन : 91 8787220970
91 9839666352
आर.एन.आई.रूUPHIN/2008/32231
डाक पंजीयन : जी–2/न्यूज पेपर/59/2004.
E-mail: lokhastakshep@gmail.com

संपादकः विजय दुबे
कार्यकारी संपादकः दीप्ती दुबे '
संपादकीय सलाहकार : राधाकृष्ण मिश्र

'समाचारों के चयन व संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी

लोक हस्तक्षेप



चंडीगढ़ में हुयी उच्च स्तरीय बैठक : हरियाणा रोडवेज के बेड़े में जुड़ेंगी 500 नई बसें, गुरुग्राम को मिलेंगे दो नए फ्लाईओवर और अंडरपास

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

चंडीगढ़रू हरियाणा में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को मजबूत करने और शहरी क्षेत्रों में ट्रैफिक जाम की समस्या से मुक्ति दिलाने के लिए सरकार ने बड़े कदम उठाए हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह की अध्यक्षता में चंडीगढ़ स्थित हरियाणा निवास में आयोजित हाई पॉवर्ड परचेज कमेटी (भ्च्च्) और हाई पॉवर्ड वर्क्स परचेज कमेटी (भ्च्च्) की बैठक में कुल नौ महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। इन विकास परियोजनाओं के लिए ठेकेदारों व बोलीदाताओं से बातचीत कर सरकार ने करीब 11.96 करोड़ रुपये की बचत भी की है।

बैठक में लिए गए बड़े फैसले के तहत हरियाणा रोडवेज के लिए 500 नई नॉन–एसी बसों की खरीद को मंजूरी दी गई है। ये सभी बसें आधुनिक बीएस–6 उत्सर्जन मानकों वाली डीजल इंजन बसें होंगी, जिससे प्रदूषण कम होगा और यात्रियों को बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी। इसके अलावा रोडवेज विभाग के लिए 24 नए ट्रकों की खरीद को भी हरी झंडी दी गई है।

दूसरी बड़ी राहत गुरुग्राम के निवासियों के लिए है। साइबर सिटी में बढ़ते ट्रैफिक के दबाव को कम करने के लिए गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (ळडक।) की तीन बड़ी ढांचागत परियोजनाओं को पास किया गया है। इसके तहत सेक्टर–45ध्46 और 51ध्52 के चौक तथा सेक्टर–85ध्86 और 89ध्90 के चौक पर दो नए फ्लाईओवर बनाए जाएंगे। इसके साथ ही मिलेनियम सिटी सेंटर मेट्रो स्टेशन के पास लगने वाले भीषण जाम से निजात दिलाने के लिए सेक्टर–27ध्29 और 43ध्44 के चौराहे पर एक आधुनिक अंडरपास का निर्माण किया जाएगा।

इसके अतिरिक्त, स्वास्थ्य और कनेक्टिविटी सेक्टर में भी कई अहम फैसले हुए। जींद जिले के हैबतपुर में बन रहे संत शिरोमणि श्री धन्ना भगत जी राजकीय मेडिकल कॉलेज के लिए फर्नीचर की खरीद और रोहतक स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (च्ळप्ै) में शिक्षक आवासों के बचे हुए निर्माण कार्य को मंजूरी दी गई। वहीं, पानीपत में यातायात सुगम करने के लिए जीटी रोड से डाहर होते हुए एनएच–709 तक मौजूदा रेलवे ओवरब्रिज के समानांतर एक और नया रेलवे ओवरब्रिज बनाया जाएगा।

मुख्यमंत्री नायब सिंह ने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि सभी स्वीकृत विकास कार्यों को तय समय सीमा के भीतर और उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी प्रोजेक्ट्स की नियमित निगरानी की जाएगी ताकि जनता को जल्द से जल्द इनका लाभ मिल सके।

पाकिस्तान में पोलियो रोधी टीम पर आतंकी हमला

कराची । पाकिस्तान के उत्तर– पश्चिमी हिस्से में मंगलवार को घर–घर जाकर टीकाकरण अभियान चला रहे पोलियो कर्मियों की सुरक्षा में तैनात दो पुलिसकर्मियों की मोटरसाइकिल सवार संदिग्ध उग्रवादियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के अफगानिस्तान की सीमा से लगे मोहम्मंद जिले में हुई इस गोलीबारी में एक अन्य पुलिसकर्मी भी घायल हो गया। पुलिस अधिकारी अयाज खान ने बताया कि पुलिसकर्मी टीकाकरण दलों की सुरक्षा के लिए पास के एक गांव जा रहे थे, तभी उन पर गोलीबारी की गई। अधिकारियों ने बताया कि हमलावर घटनास्थल से फरार हो गए। इस हमले की तत्काल किसी भी संगठन ने जिम्मेदारी नहीं ली। पाकिस्तानी तालिबान और अन्य उग्रवादी संगठन नियमित रूप से पोलियो उन्मूलन अभियानों और स्वास्थ्यकर्मियों की सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मियों को निशाना बनाते हैं।

एफबीआई ने उत्तर कोरिया पर लगाया क्रिप्टो चोरी का आरोप

सोल। उत्तर कोरिया ने मंगलवार को अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई की उस जांच के नतीजों को सिरे से खारिज कर दिया, जिसमें दुनिया के सबसे बड़े क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंज बायनेंस से हुई भारी क्रिप्टोकरेंसी चोरी के लिए प्योंगयांग को जिम्मेदार ठहराया गया था। उत्तर कोरिया ने इसे अपने खिलाफ राजनीतिक साजिश और भड़काऊ कृत्य करार दिया है। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग–उन की बहन किम यो–जोंग ने यह टिप्पणी की है। उन्होंने अमेरिकी फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) के शनिवार के उस बयान का जिक्र किया, जिसमें कहा गया है कि बायनेंस के जरिए 6 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक की क्रिप्टोकरेंसी चोरी के लिए उत्तर कोरियाई शासन जिम्मेदार है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 5 नवंबर को अंबाला छावनी में 1857 के शहीद स्मारक का करेंगे लोकार्पण

राजेंद्र सिंह जादौन

चंडीगढ। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 5 नवंबर को अंबाला छावनी में 1857 की आजादी की पहली लड़ाई को समर्पित भव्य शहीद स्मारक का लोकार्पण करेंगे। इस ऐतिहासिक अवसर पर वे अंबाला के गांधी ग्राउंड में एक विशाल जनसभा को भी संबोधित करेंगे। हरियाणा के ऊर्जा एवं परिवहन मंत्री अनिल विज ने सोमवार को तैयारियों की समीक्षा के बाद यह जानकारी साझा की।

अंबाला में बना यह अत्याधुनिक स्मारक देश के उन वीर शहीदों की स्मृति में तैयार किया गया है, जिन्हें इतिहास में उनका उचित स्थान नहीं मिल सका। अनिल विज ने बताया कि स्मारक के भीतर 22 विशाल गैलरियां बनाई गई हैं। इन गैलरियों में आधुनिक तकनीक और डिजिटल माध्यमों के जरिए 1857 की क्रांति की प्रमुख घटनाओं, युद्धों और स्वतंत्रता सेनानियों के कड़े संघर्ष को जीवंत रूप में प्रदर्शित किया गया है।

कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने अंबाला छावनी के प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक कर सुरक्षा और व्यवस्थाओं से जुड़े जरूरी दिशा–निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने इस दिन को देश और प्रदेश के लिए ऐतिहासिक बताते हुए जनता से भारी संख्या में गांधी ग्राउंड पहुंचने की अपील की है।

मनीषा भनवाला ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात

लोक हस्तक्षेप संवाददाता, चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय पहलवान और वर्ल्ड चौंपियन मनीषा भनवाला ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने कजाकिस्तान में आयोजित सीनियर वर्ल्ड रेसलिंग चौंपियनशिप के 59 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक (गोल्ड मेडल) जीतने पर मनीषा को बधाई दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि मनीषा की यह ऐतिहासिक उपलब्धि हरियाणा और पूरे देश के लिए गौरव का विषय है। वह देश की पहली महिला पहलवान हैं जिन्होंने यह मुकाम हासिल किया है। मुख्यमंत्री ने उन्हें भविष्य के लिए भी प्रोत्साहित करते हुए हरसंभव सरकारी सहयोग का आश्वासन दिया। इस अवसर पर खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम और कोच मनदीप सिंह भी मौजूद रहे। जींद जिले की रहने वाली मनीषा इससे पहले भी जॉर्डन एशियन चौंपियनशिप (2025) और वर्ल्ड रैंकिंग सीरीज (2026) में स्वर्ण पदक जीत चुकी हैं।

गुडगांव में लगातार धंस रही सडकें कांग्रेस ने उठाए भ्रष्टाचार पर सवाल

लोकेश कुमार

गुरुग्राम। कांग्रेस के जिला अध्यक्ष (शहरी) पंकज डावर ने गुरुग्राम में बार–बार धंस रही सड़कों को लेकर शासन– प्रशासन को आड़े हाथों लिया है। उन्होंने कहा कि करोड़ों की लागत से बना गुरुग्राम–सोहना हाईवे सातवीं बार धंस चुका है, जो बड़े पैमाने पर हुए भ्रष्टाचार का जीता– जागता सबूत है। हर बार प्रशासन मिट्टी डालकर सिर्फ खानापूर्ति कर देता है। डावर ने दिल्ली–जयपुर नेशनल हाईवे–48 के फ्लाईओवरों की बदहाली का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पिछले दो साल से फ्लाईओवरों से कंक्रीट गिर रहा है और सरिये



साफ नजर आने लगे हैं, लेकिन छप्प्और स्थानीय प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है। मिलेनियम सिटी को भ्रष्टाचार की स्मार्ट सिटीश बताते हुए उन्होंने मांग की है कि इस पूरे मामले की हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज से उच्च स्तरीय जांच कराई जाए और निर्माण कंपनी को ब्लैकलिस्ट कर आपराधिक मामला दर्ज हो। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो कांग्रेस हाईवे जाम कर बड़ा आंदोलन करेगी।

कांग्रेस ने शाह से ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा लेने को कहा

नयी दिल्ली कांग्रेस ने मंगलवार को कहा कि यदि गृह मंत्री अमित शाह वोट चोरी के मुद्दे पर संसद का विशेष सत्र बुलाने को लेकर गंभीर हैं तो उन्हें पहले मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा सुनिश्चित करना चाहिए ।

गुरुग्राम के सेक्टर-4 में कम्युनिटी सेंटर की बदहाली पर बवाल, निगमायुक्त को सौंपा पत्र

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

गुरुग्राम। अर्बन एस्टेट रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन (ऊर्वा) ने सेक्टर–4 स्थित कम्युनिटी सेंटर में फैली भारी अव्यवस्थाओं को लेकर नगर निगम आयुक्त को पत्र सौंपा है। एसोसिएशन ने सार्वजनिक संपत्ति के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। एसोसिएशन के संरक्षक धर्मसागर ने कहा कि जनता के उपयोग के लिए बना यह कम्युनिटी सेंटर इस समय लापरवाही और अनियमितताओं का केंद्र बन चुका है। यहाँ सीवर सफाई करने वाले ठेकेदार के मजदूरों ने अनधिकृत रूप से अपना डेरा डाल रखा है, जिससे स्थानीय लोगों की गतिविधियों में बाधा आ रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि किस अधिकारी की अनुमति से मजदूरों को परिसर के भीतर रहने की इजाजत दी गई। इसके अलावा, परिसर के अंदर ही मजदूरों द्वारा खाना पकाने और ठंड से बचने के लिए खुले में आग जलाई जा रही है। इससे न केवल वायु प्रदूषण फैल रहा है, बल्कि सार्वजनिक परिसर में आग लगने का गंभीर खतरा भी पैदा हो गया है। उचित स्वच्छता और सफाई व्यवस्था न होने से पूरा कम्युनिटी सेंटर गंदगी का ढेर बन चुका है।

धर्मसागर ने बताया कि सुबह और शाम के समय यहाँ बड़ी संख्या में वरिष्ठ नागरिक सैर और योग करने आते हैं, लेकिन गंदगी और दूषित वातावरण के कारण उन्हें भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

ऊर्वा ने निगमायुक्त से मांग की है कि परिसर में चल रही बाहरी गतिविधियों पर तुरंत रोक लगाई जाए, नियमित सफाई की व्यवस्था हो और ठेकेदार को परिसर के अंदर आग जलाने से रोका जाए। एसोसिएशन ने आयुक्त से व्यक्तिगत रूप से दखल देकर संबंधित अधिकारियों को सख्त कार्रवाई के निर्देश देने का अनुरोध किया है।



21 YEARS OF FEARLESS JOURNALISM DEFINING THE POWER OF TRUTH.

लखनऊ | वाराणसी | नई दिल्ली